卐 श्री सदगुरू देवाय नम: 卐 卐ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा卐卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐
उल्लंघ्य सिन्धो: सलिलं सलीलं,य:शोकवह्नि जनकात्मजाया: आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये
केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त
हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 23 ♦अंक 292 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦रविवार ♦30 जुलाई 2023 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com | 9897427585 | UTTARANCHAL DARPAN | www.uttaranchaldarpan.in

GAGNEJA PROPERTIES
CONTACT FOR SALE, PURCHASE RENT & LEASE
✔ Shops ✔ Houses
✔ Industrial Property
✔ Commercial Property
✔ Agriculture Land
REAL ESTATE WITHOUT THE HASSLE
MO.-8630672525,8279444462
ADD- SRA F69, Shop No.4, Adarsh Colony, Rudrapur

सर्वजन हिताय की भावना भारत की ताकत:नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली(उद ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' के 103वें एपिसोड में कहा कि जुलाई का महीना मानसून और बारिश का महीना होता है, लेकिन बीते कुछ दिन प्राकृतिक आपदाओं के कारण चिंता और परेशानी से भरे रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि यमुना समेत कई नदियों में बाढ़ से कई इलाकों में लोगों को तकलीफ उठानी पड़ी है। पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन की घटनाएं भी हुई हैं। इसी दौरान देश के पश्चिमी हिस्से में कुछ समय पूर्व गुजरात के इलाकों में बिरपरजॉय साइक्लोन भी आया, लेकिन इस आपदाओं के बीच हम सब देशवासियों ने फिर दिखाया है कि सामूहिक प्रयास की ताकत क्या होती है। स्थानीय लोगों ने, हमारे एनडीआरएफ के जवानों ने, स्थानीय प्रशासन के लोगों ने, दिन-रात लगाकर ऐसी आपदाओं का मुकाबला किया है। किसी भी आपदा से निपटने में हमारे सामर्थ्य और संसाधनों की भूमिका बड़ी होती है, लेकिन इसके साथ ही, हमारी संवेदनशीलता और एक दूसरे का हाथ थामने की भावना, उतनी ही अहम होती है। सर्वजन हिताय की यही भावना भारत की पहचान भी है और भारत की ताकत भी है। इस समय 'सावन' का पवित्र महीना चल रहा है। सदाशिव महादेव की साधना-आराधना के साथ ही 'सावन' हरियाली और खुशियों से जुड़ा होता है।इसीलिए 'सावन' का आध्यात्मिक के साथ ही सांस्कृतिक दृष्टिकोण से भी (शेष पृष्ठ सात पर)

हादसे में बुझा घर का इकलौता चिराग

गदरपुर (उद संवाददाता)। गत रात्रि जाफरपुर मोड़ एवं ग्राम कन्टोपा के मध्य मार्ग में अनियंत्रित बाईक की ट्रक से हुई भिड़न्त में बाईक सवार युवक की मौत हो गई। जो परिवार का इकलौता पुत्र था। घटना की सूचना मिलने पर एसआई विकास कुमार टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने हादसे में घायल ग्राम भैंसिया सूरजपुर नम्बर एक गदरपुर निवासी 27 वर्षीय शुभम पुत्र अनिल शर्मा को अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसआई उमेश रजवार ने शव के पंचनामे की कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। जानकारी के अनुसार ग्राम भैंसिया सूरजपुर नम्बर एक गदरपुर निवासी 27 वर्षीय शुभम शर्मा पुत्र अनील शर्मा पिता के साथ गदरपुर व रूद्रपुर स्थित ट्रांसपोर्ट व्यवसाय में सहयोग करता था। बताया जाता है कि शुभम गत रात्रि अपनी बाईक संख्या यूके 06 एजी 9808 पर सवार होकर गदरपुर से घर वापस आ रहा था। जब वह ग्राम जाफरपुर व कन्टोपा (शेष पृष्ठ सात पर)

भाई बहनों को कोबरा ने डसा, हालत गंभीर

देहरादून (उद संवाददाता)। देहरादून के डोईवाला के पंचवटी इलाके में घर में खेल रहे मासूम भाई-बहन को कोबरा सांप ने डस लिया। मासूम के कोबरा सांप के डसने की सूचना के बाद परिवार में हड़कंप मच गया। दोनों बच्चों की हालत नाजुक होता देख परिवार वाले अस्पताल ले गए। जहां दोनों का इलाज चल रहा है, दोनों आईसीयू में भर्ती है जिनकी हालत गंभीर है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम कोबरा सांप को रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा है। दोनों बच्चों को हिमालयन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। घटना शनिवार शाम की है। अरविंद पांचाल के 3 वर्षीय पुत्र शिवांश और 4 वर्षीय पुत्री आसीन को घर पर ही कोबरा नाग ने डस लिया। सांप के डसते ही दोनों बच्चे बेहोश हो गए जहां बच्चों को बेहोश होता देख परिवार वाले के होश उड़ गए। कुछ देर बाद जब परिवार वालों की नजर बेड पर पड़ी तो वहां एक काला (शेष पृष्ठ सात पर)

खड़े डम्पर से भिड़ी अनियंत्रित कार,एक की मौत

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। गत रात्रि सिडकुल क्षेत्र में पारले चौक के समीप राष्ट्रीय मार्ग पर सड़क किनारे खड़े

डम्पर से अनियंत्रित कार के टकरा जाने से उसमें सवार एक युवक की मौत हों गई। जबकि चालक सकुशल बच गया। घटना की जानकारी मिलते ही सिडकुल चौकी पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचे। गंभीर रूप से घायल युवक को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन भी आ पहुंचे और उनमें कोहराम मच गया। पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। जानकारी के अनुसार काशीपुर आंगा जिला रामपुर निवासी 36 वर्षीय मोहम्मद याकूब पुत्र स्व. खुर्शीद हाल निवासी सुभाष कालोनी यहां आवास विकास होली चौक में लुक प्वाइंट के नाम से लेडीज व जेंट्स हेयर सेलून चलाता था। बताया जाता है कि वह अग्रसेन कालोनी निवासी मनोज डाला के साथ कार संख्या यूके 06 बीए 8284 में सवार होकर हल्द्वानी से घर वापस लौट रहा था। कार मनोज चला रहा था। जब कार रात्रि करीब 11 बजे सिडकुल क्षेत्र में पारले चौक के पास पहुंची तो सड़क किनारे खड़े डम्पर से पीछे से जा भिड़ी। (शेष पृष्ठ सात पर)

चिकित्सक के घर से लाखों चुराने वाली नौकरानी गिरफ्तार

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। चिकित्सक के घर से लाखों की नगदी चोरी करने के मामले में पुलिस ने नौकरानी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चुरायी गयी लाखों की रकम भी बरामद की है। पुलिस के मुताबिक कृष्णा हॉस्पिटल के चिकित्सक राहुल सिंह निवासी कृष्ण कुंज हल्द्वानी ने शनिवार को कोतवाली में तहरीर देकर कहा था कि वह उन्होंने वर्ष 2019 में अपने घर पर काम करने के लए मधु निवासी कुमाऊं कालोनी दमुवाढुंगा काठगोदाम को रखा था। वर्ष 2022 से घर से कुछ धनराशि लगातार चोरी हो रही थी। छोटी धनराशि होने पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। 22 जुलाई को 2023 को उन्होंने 10 लाख अपनी अलमारी में रखे थे। 25 जुलाई को अलमारी में रखी उक्त धनराशि को चेक करने पर उसमें 4 लाख 70 हजार रूपये कम थे। नौकरानी पर शक होने पर उन्होंने नौकरानी के काम करने के समय अलमारी में सोनी का हैंडी कैमरा रिकॉर्डिंग मोड में रख लिया और जो नोट अलमारी में रखे थे उन नोटों की फोटो भी अपने मोबाईल में खींच ली। 29 जुलाई को अलमारी में रखें नोटों में फिर से 7500 रूपये कम होने पर कैमरे की रिकॉडिग चेक की तो नौकरानी मधु अलमारी से रुपये चोरी करते हुये कैमरे में कैद हो गयी। चिकित्सक ने बताया कि उसके घर से पिछले 3 सालों में लगभग 11 लाख रूपए चोरी हुए हैं। तहरीर के आधार पर कोतवाली में मुकदमा पंजीकृत किया गया। और उपनिरीक्षक मंजू ज्याला व कांस्टेबल प्रकाश बडाल ने तत्काल नौकरानी मधु को उसके घर से गिरफ्तार कर घर से चोरी के 4 लाख 77 हजार 500 रूपये नकद बरामद किए। इसके अलावा मधु के खाते की बैंक डिटेल निकालने पर उसके बैक खाते में चोरी के 6 लाख 30 हजार रूपये जमा पाये गये। पुलिस पूछताछ में महिला ने बताया कि बैंक में जमा धनराशि भी चोरी की हैं। पुलिस मधु का बैंक अकाउंट फ्रिज करने की कार्यवाही कर रही है।

पत्नी ने पीजी में पति को गैर महिला संग पकड़ा, हंगामा

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। आज दोपहर एक महिला द्वारा अपने पति को गैर महिला संग एक पीजी के कमरे में पकड़ लिया। जिसके बाद पति पत्नी के मध्य जमकर मारपीट हो गई। वहीं उस महिला के परिजन भी आ पहुंचे और उनकी मौके पर तीखी बहस शुरू हो गई मामले की जानकारी मिलते ही आवास विकास चौकी प्रभारी पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों के लोगों को चौकी ले आई। चौकी में भी दोनों पक्षों ने जमकर हंगामा काटा। समाचार लिखे जाने तक दोंनों पक्ष चौकी में मौजूद थे। बताया जाता है कि नगर के एक मौहल्ले के निवासीं पति पत्नी के बीच झगड़ा चल रहा था। आज महिला को यह जानकारी मिली कि उसका पति श्याम टाकीज रोड़ में स्थित एक पीजी के कमरे में किसी महिला के साथ मौजूद है। जिसके बाद महिला मौके पर आ पहुंची और उसने अपने पति को पीजी के एक कमरे से महिला सहित पकड़ लिया। इसके बाद पति पत्नी के बीच मारपीट शुरू हो गई। इसी बीच कमरे वाली महिला के परिजन भी वहां आ पहुंचे और उनकी उनसे तीखी नोंक झोंक शुरू हो गई। मामले की जानकारी मिलते ही चौकी प्रभारी मय पुलिस वहां आ (शेष पृष्ठ सात पर)

सेब से लदा पिकप वाहन पलटने से चालक की मौत

देहरादून(उद संवाददाता)। सेब से लदा पिकप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया हादसे में वाहन चालक की मौत हो गयी। सूचना पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जानकारी के अनुसार एसडीआरएफ को बीती रात सूचना मिली कि सेब से लदा एक वाहन पलट गया है जिसमें चालक दब गया है। एसडी आरएफ की टीम तुरंत मौके पर रवाना हो गई यह वाहन हिमाचल से सहारनपुर मंडी को जा रहा था जो कि अभी उत्तराखंड की सीमा में पहुंचा ही था। रेस्क्यू टीम ने मौके पर देखा कि एक पिकप संख्या एचपी63ए 3010 अनियंत्रित होने से मुख्य मार्ग पर पलट गया था जिसमें एक व्यक्ति सवार था और वाहन के नीचे दबा हुआ था। उक्त वाहन नेरवा हिमाचल प्रदेश से सेब लेकर सहारनपुर मंडी जा रहा था। टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए जिला पुलिस व स्थानीय लोगों के साथ मिलकर वाहन के नीचे से युवक के शव को बाहर निकाला व आवश्यक कार्यवाही हेतु जिला पुलिस के सुपर्द किया गया। मृतक की पहचान 24 वर्षीय सुधीर पुत्र (शेष पृष्ठ सात पर)

बेहड़ और गौरी ने किया विकास कार्यों का लोकार्पण

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़ ने अपनी विध विकास कार्यों का लोकार्पण किया। विधायक बेहड ने फुलसुंगा के अंतर्गत तीन लाख की लागत से निर्मित नाले का लोकार्पण किया। इस दौरान बेहड़ ने सभी

ानसभा के अंतर्गत रुदपुर वार्ड न.1 के फुलसुंगा में विधायक निधि से निर्मित लगभग 15 लाख की लागत के तीन पानी डाम के पास स्थित दुर्गा एनक्लेव कॉलोनी में पहुंचे जहां उन्होंने ग्रामीणों की मांग पर अपशिष्ट जल निकासी हेतु 5 को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस कवार्ड न 1 फूलसुंगा की पूर्व के चुने हुए जनप्रतिनिधियों (शेष पृष्ठ सात पर)

गोदाम का ताला तोड़कर लाखों का सामान चोरी

काशीपुर(उद संवाददाता)। कोतवाली थाना क्षेत्र में अज्ञात चोरों ने कानून व्यवस्था को पूरी तरह धता बताते हुए एक गोदाम का ताला तोड़कर अंदर रखा लाखों का कीमती सामान समेट लिया और मौके से फरार हो गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। घटना के बारे में पुलिस को तहरीर देकर मोहल्ला खालसा कटोरा (शेष पृष्ठ सात पर)

चमोली करंट हादसे की मजिस्ट्रीयल जांच रिपोर्ट में कई सुरक्षा मानकों की अनदेखी का हुआ खुलासा

नमामि गंगे परियोजना की एसटीपी का अप्रशिक्षित कर्मचारी कर रहे थे संचालन

देहरादून(उद ब्यूरो)। चमोली जनपद के एसटीपी प्लांटें में करंट फैलने से हुई 16 लोगो की दर्दनाक मौत और लापरवाही की मजिस्ट्रीयल जांच रिपोर्ट में कई सुरक्षा मानकों की ही अनदेखी नहीं हुई, बल्कि इससे इतर भी खामियां मिलने से गंभीर सवाल खड़े हो रहे है। बताया जा रहा है कि प्लांट में विद्युत के झटकों और खतरों से सुरक्षा हेतु की गई अर्थिंग व्यवस्था भी मानकों पर खरी नहीं थी। प्लांट का संचालन अप्रशिक्षित कर्मचारियों के भरोसे था तो नमामि गंगे परियोजना के उद्देश्यों को पलीता और सरकारी खजाने को चपत भी लगाई जा रही थी। अब मजिस्ट्रीयल जांच रिपोर्ट के निष्कर्ष और संस्तुतियां भी इसकी पुष्टि कर रहे हैं। इस प्लांट में बीती 19 जुलाई को करंट फैलने से मौतें होने पर सबसे पहले विद्युत सुरक्षा मानकों को लेकर सवाल खड़े हुए। इस पर ऊर्जा निगम की तकनीकी टीम ने जांच की तो प्लांट में तीन अलग-अलग स्थानों पर अर्थिंग क्रमशः 14, 15 और 18 ओम (विद्युत प्रतिरोध की इकाई) पाई गई। जबकि, सामान्य तौर पर अर्थिंग एक ओम या इससे कम होनी चाहिए। अर्थिंग से करंट जमीन में उतर जाता है। प्रतिरोध अधिक होने के कारण ही विद्युत केबल से लीक हुई बिजली सीधे धरती में जाने की बजाय टिन व लोहे के ढांचे में दौड़ती रही। प्लांट में एमसीबी भी नहीं थी। जांच रिपोर्ट में स्पष्ट तौर पर इसका उल्लेख किया गया है। 25 किलोवाट भार क्षमता वाले इस प्लांट में बिजली खपत की बात करें तो पिछले छह माह में प्रतिदिन दो से ढाई यूनिट बिजली ही खर्च हुई, जो सामान्य घरों के बिजली खर्च के बराबर भी नहीं है। ऐसे में प्लांट में सीवेज का शोधन किए बगैर ही उसे अलकनंदा नदी में बहाए जाने की आशंका भी बेवजह नहीं है। कर्मचारियों की बात करें तो प्लांट के संचालन को आइटीआइ से इलेक्ट्रिकल/ मैकेनिकल इंजीनियरिंग में सर्टिफिकेट प्राप्त आपरेटर होना चाहिए। लेकिन, एसटीपी का संचालन अप्रशिक्षित गणेश के जिम्मे था। वहीं प्लांट की सुरक्षा व्यवस्था भी संभालता था। प्लांट में करंट फैलने पर सबसे पहले उसी की मौत हुई। प्लांट की निगरानी के लिए एक सुपरवाइजर होना चाहिए, जिसने आइटीआइ से इलेक्ट्रिकल/ मैकेनिकल इंजीनियरिंग में सर्टिफिकेट कोर्स किया हो। लेकिन, कंपनी की ओर से संचालित सभी 18 एसटीपी की जिम्मेदारी सुपरवाइजर पवन चमोला के पास थी। इन्हीं हालात को देखते हुए मजिस्ट्रीयल जांच रिपोर्ट में एसटीपी के संचालन और रखरखाव के लिए प्रस्तुत बिलों को संदिग्ध माना गया है।

फर्मों को ब्लैक लिस्ट करने की सिफारिश

चमोली। चमोली करंट हादसे की मजिस्ट्रीयल जांच के बाद एडीएम डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने एसटीपी का संचालन करने वाली संयुक्त फर्म को देशभर में ब्लैकलिस्ट करने की सिफारिश की है। जांच में इन फर्मों के अलावा भास्कर महाजन की फर्म को भी हादसे के लिए जिम्मेदार माना गया है। संयुक्त फर्म से एसटीपी की मरम्मत और संचालन में आने वाले खर्च की वसूली भी की जाएगी। इसके अलावा फर्म की 1.10 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी को भी जब्त करने की संस्तुति एडीएम ने की है। जांच अधिकारी एडीएम डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने 175 पन्नों की जांच रिपोर्ट में 39 लोगों के बयान दर्ज किए हैं। हादसे के लिए ज्वाइंट वेंचर फर्म को मुख्य रूप से जिम्मेदार बताया गया है। जांच अधिकारी ने संस्तुति की है कि नमामि गंगे कार्यक्रम को लेकर ज्वाइंट वेंचर के साथ अनुबंध को निरस्त किया जाए। ज्वाइंट वेंचर की दोनों फर्मों (जय भूषण मलिक काट्रैक्टर पटियाला और मैसर्स कॉफिडेंट इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड कोयंबटूर) के अलावा भास्कर महाजन की फर्म एक्सिस पावर कंट्रोल्स दिल्ली को पूरे देश में ब्लैक लिस्ट किया जाए। जांच में पाया गया कि भास्कर महाजन ज्वाइंट वेंचर का अधिकृत व्यक्ति न होते हुए भी प्लांट संचालन का कार्य कर रहा था।इसके साथ ही अनुबंध की शेष अवधि में सभी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांटों के ऑपरेशन और मेंटिनेंस व मरम्मत पर आने वाले खर्च को ज्वाइंट वेंचर फर्म से भू-राजस्व की तरह वसूल करने की संस्तुति भी जांच अधिकारी ने की है। इस फर्म की 1.10 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी को भी तत्काल प्रभाव से जब्त किया जाएगा। इसकी वैधता 31 जुलाई 2023 तक है। एसटीपी प्लांट में 19 जुलाई को घटी भीषण दुर्घटना के संबंध में मुख्य जिम्मेदार संबंधित ज्वाइंट वेंचर फर्म के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा भास्कर महाजन की फर्म एक्सिस पॉवर कंट्रोल के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज करने की संस्तुति जांच रिपोर्ट में की गई है।

हाईकोर्ट के आदेशों की हो रही है अवहेलना

नगर आयुक्त व परगना मजिस्ट्रेट को नोटिस जारी

काशीपुर(उद संवाददाता)। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने अतिक्रमण मामले में कोर्ट की अवमानना को लेकर दायर याचिका पर काशीपुर के उपजिलाधिकारी अभय प्रताप सिंह और नगर निगम के मुख्य नगर आयुक्त विवेक राय को नोटिस जारी किया है। नगर निवासी मनोज कौशिक की याचिका पर उच्च न्यायालय की एकल बेंच ने यह नोटिस जारी किया है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश रवीन्द्र मैथानी ने ये नोटिस दिया है। मामले की सुनवाई आगामी 1 सितंबर 2023 को होगी। बता दें कि इससे पहले हाईकोर्ट ने इस सड़क पर भारी अतिक्रमण को लेकर दायर एक याचिका पर आदेश दिया था कि काशीपुर की रतन सिनेमा रोड पर अतिक्रमण हटाने के न्यायालय के आदेश के बावजूद कोई कार्रवाई न करने पर दोनों अधिकारियों को अवमानना का स्थानीय प्रशासन इसे अतिक्रमण मुक्त करे। न्यायालय के आदेश का पालन न होने पर पुनः याचिका दायर की गई थी। जिस पर 27 जुलाई को अवमानना का नोटिस दिया गया है।

हटाने के बाद फिर लगा दिया खोखा

काशीपुर। मुरादाबाद रोड पर पेट्रोल पंप के करीब हाईवे पर अतिक्रमण कर चलाई जा रही पान की दुकान पिछले कई दिनों से चर्चा में है। अभी पूर्व में प्रशासन ने खोखा चलाने वाले को मौके से तत्काल इसे हटाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद उसने खोखे को साइड कर दिया था लेकिन कुछ दिन बाद ही हठधर्मिता की सभी हदें पार करते हुए खोखा संचालक ने वापस उसी स्थान पर खोखा सजाकर प्रशासनिक अधिकारियों को चुनौती दे डाली। पेड़ के नीचे चल रही इस दुकान से यातायात बुरी तरह प्रभावित है।

कोषागार कर्मचारी संगठन की बैठक में उठाई कई समस्याएं

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। कोषागार कर्मचारी संगठन की आपात बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा हुई और प्रस्ताव पारित किये गये। बैठक में मा0 उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 08.03.2013 का पालन नहीं होने पर रोष व्यक्त किया गया। साथ ही कोषागार कार्मिकों को भी ग्रेड वेतन का 50 प्रतिशत विशेष भत्ता अनुमन्य किये जाने की मांग की गयी। बैठक में श्री कोहली, सेवानृत्ति वित्त अधिकारी के पेंशन प्रकरण में कोषागार निदेशालय द्वारा धारित नियमों के विपरित लगाई गई आपत्ति का विरोध किया गया। इसके अलावा उत्तराखण्ड सचिवालय के समान प्राथमिकता के आधार पर कोषागार संवर्ग को भी 5 दिवसीय कार्यदिवस कार्यप्रणाली संबंधित आदेश जारी करने की मांग की गयी। बैठक में मांग की गयी कि कोषागार संवर्ग के कार्मिकों के पदोन्नति में सर्वप्रथम सहायक कोषाधिकारी से उपकोषाधिकारी के समस्त रिक्त पदों के सापेक्ष प्रमोशन किये जाये, तदानुपरान्त लेखाकार से सहायक कोषाधिकारी के पदों पर पदोन्त किया जाये, ताकि कोषागार संवर्ग के कार्मिकों को अधिक से अधिक पदोन्नति के अवसर बन सके। कहा गया कि निदेशालय, कोषागार पेंशन एवं हकदारी, उत्तराखण्ड के पद पर किसी आई.ए.एस. अधिकारी को नियुक्त किया जाये ताकि कोषागार संवर्ग के कार्मिकों के हितों पर सकारात्मक कार्यवाही हो सके। वक्ताओ ने कहा कि अन्य विभागों से आये सहायक लेखाधिकारियों को सीधे कोषागार संवर्ग में नियुक्ति प्रदान की जा रही है, जिससे पूर्व से कार्यरत कोषागार संवर्ग के अधिकारियों / कार्मिकों के प्रमोशन संबंधी प्रकरण प्रभावित हो रहे हैं। बैठक में उठाये गये मुद्दों को लेकर सुझाव एवं मांगे प्रांतीय अध्यक्ष और महामंत्री को प्रेषित की गयी। बैठक में हरीश चन्द्र पंत, अशोक कुमार, मोहम्मद शमीम, प्रेम कुमार, हरीश सिंह, योगिता सिंगवाल, कृष्ण प्रसाद, राजीव वर्मा आदि मौजूद थे।

महिला अपने चार वर्षीय पुत्र के साथ गायब

किच्छा(उद संवाददाता)। बंडिया क्षेत्र से एक महिला अपने चार वर्षीय पुत्र के साथ गायब हो गई है जिसकी सूचना महिला के पति द्वारा स्थानीय पुलिस को दी है। पुलिस को दी गई सूचना में महिला के पति विशाल चौधरी ने कहा है वह रुद्रपुर में स्थित एक फैक्ट्री मै काम करता है। गत रात्रि वह जब काम पर गया तो अपनी पत्नी सुमन मोर्या और पुत्र को सकुशल छोड़ कर गया था उसके परिवार के अन्य सदस्य भी घर पर ही सो रहे थे। बलिया निवासी युवक ने अपनी पत्नी पुत्र की गुमशुदगी दर्ज कराते हुए कोतवाली पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। पुलिस को दी गई तहरीर में बंडिया निवासी विशाल चौहान पुत्र श्री चौधरी अमर पाल सिंह ने बताया कि उसका विवाह सुमन मोर्या पुत्री नवीन मौर्य के साथ 5 वर्ष पूर्व हुआ था जिससे उसका एक पुत्र जिसकी आयु तकरीबन 4 वर्ष है, पुलिस ने बताया कि बीती 28 जुलाई की मध्य रात्रि का वाक्या है की उसके ड्यूटी जाने के उपरांत की पत्नी उसके 4 माह के बेटे को लेकर घर से चली गई। रिश्तेदारों आदि से पता करने पर भी कोई पता नहीं चला।पीड़ित ने पत्नि व बेटे की गुमशुदगी दर्ज कर पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

स्वास्थ्य व्यवस्था पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

देहरादून(उद संवाददाता)। कांग्रेस ने सरकार पर पटरी से उतरती जा रही स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर हमला बोला है। कांग्रेस ने कहा है कि सरकार के मंत्रियों को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।उत्तराखंड में पटरी से उतरती जा रही स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर कांग्रेस ने हमला बोला है। कांग्रेस की मुख्य प्रदेश प्रवक्ता गरिमा दसौनी ने कहा की आज प्रदेश सरकार के मंत्री और नेता दिल्ली दरबार में हाजिरी लगाने में व्यस्त नजर आ रहे है। जबकि प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्था पटरी से उतरी हुई नजर आ रही है।कांग्रेस की मुख्य प्रदेश प्रवक्ता गरिमा दसौनी ने कहा राजधानी देहरादून के दून मेडिकल कॉलेज में कभी लिफ्ट पर तो कभी फर्श पर महिलाओं का प्रसव हो रहा है। अब हालात ऐसे हो चुके हैं कि दून अस्पताल के जच्चा बच्चा वार्ड में एक बेड पर दो महिलाएं और दो बच्चे एक साथ लेटने पर मजबूर हैं। इससे पता चलता है कि दून अस्पताल की स्वास्थ्य सुविधाएं कितनी बेहतर है।गरिमा दसौनी का कहना है कि ऋषिकेश एम्स अस्पताल में स्टेचर ना मिलने पर गाड़ी में ही प्रसव कराना पड़ रहा है। ये हाल तब हैं जब राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने का दावा बीजेपी सरकार कर रही है। कांग्रेस नेत्री ने कहा कि ऐसे में इस सरकार के मंत्रियों को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। जो स्वास्थ्य सुविधाओं को देने में असमर्थ साबित हो रहे हैं।

विपक्षी दलों का 'इंडिया' नाम रखने से भाजपा बौखलाई : करन माहरा

संसद में उत्तराखंड से राज्यसभा सांसद नरेश बंसल के इंडिया शब्द हटाने के प्रस्ताव पर सियासी घमासान शुरू

देहरादून(उद संवाददाता)। आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर मोदी सरकार से मुकाबले के लिये बना विपक्षी दलों के गठबंधन का नाम 'आईएनडीआईए' यानी 'इंडिया' रखने का मुद्दा इन दिनों सुर्खियों में खूब छाया हुआ है। वहीं उत्तराखंड के राज्यसभा सांसद नरेश बंसल द्वारा राज्यसभा में दिए गए प्रस्ताव पर सियासी घमासान शुरू हो या है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने उत्तराखंड से राज्यसभा सांसद नरेश बंसल द्वारा संसद के सत्र के दौरान राज्यसभा में दिए गए प्रस्ताव में भारतीय संविधान में इंडिया शब्द को हटाने को लेकर दिये गये प्रस्ताव को लेकर जारी एक बयान में तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। राज्यसभा सांसद नरेश बंसल के अनुसार मोदी सरकार देश की मूल संस्कृति को संरक्षित करने के लिये काम कर रही है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने कहा की 18 जुलाई को कर्नाटक में हुई विपक्षी दलों की बैठक और विपक्षी एकता गठबंधन का 'आईएनडीआईए' नाम दिए जाने से भाजपा बुरी तरह घबराई और बौखलाई हुई है।उन्होंने कहा कि भाजपा आरएसएस की सोची समझी रणनीति के तहत दिया गया बयान है। इस विचारधारा ने कभी भी भारतीय संविधान का सम्मान नहीं किया। डॉ बाबा साहेब आंबेडकर ने देश को एक अतुलनीय अभूतपूर्व संविधान दिया जिसकी पूरे विश्व में मिसाल दी जाती है। भाजपाई जिस इंडिया शब्द से असहज हैं उन्होंने ही बीते सालों में भारत सरकार ने स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया, खेलो इंडिया डिजिटल इंडिया शाइनिंग इंडिया जैसे कई अभियान और योजनाएं शुरु की हैं। खुद को भाजपाई 'बीजेपी पॉर इंडिया' लिखते हैं यही भाजपा का दोहरा चरित्र है। भाजपा, आरएसएस और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस संविधान को नष्ट करने का सुनियोजित षड्यंत्र रचा जा रहा है। भारत का संविधान किसी जाति, धर्म, वर्ग विशेष का नहीं है। ये भारत देश की 140 करोड़ जनता का संविधान है। ये भारत का पवित्र ग्रंथ है जो हमें एकरूपता और अपने पूर्ण अधिकार प्रदान करता है। माहरा ने कहा कि ये भारत की आत्मा है और हम जीते जी इस संविधान को नष्ट नहीं होने देंगे। इस लड़ाई में भारतीय संविधान में विश्वास रखने वाले समस्त देशवासियों, सभी राजनीतिक दलों एवं समाजसेवी संस्थाओं को आगे आकर ऐसी विचारधारा से लड़ना होगा। माहरा ने कहा की जिनकी राजनीति केवल विभाजनकारी नीतियों और समाज में वैमनस्य फैलाने का काम करती है। हमें मिलकर संविधान की रक्षा करनी होगी। करन माहरा ने कहा की जब जब इस देश में भाजपा सरकार आई है आमजन की स्वतंत्रता धीरे-धीरे खत्म की जा रही है। आज संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है। लगातार जनता को अपनी विचारधारा के दबाव में कार्य करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। अगर कोई सरकार के खिलाफ लिखता है, बोलता है तो उसके खिलाफ संवैधानिक संस्थाओं जैसे ईडी, इनकम टैक्स, सीबीआई व अन्य एजेंसियों द्वारा प्रताड़ित किया जाता है। माहरा ने कहा की प्रधानमंत्री मोदी को अपनी आलोचना पसंद नहीं उन्हें केवल अपना यश सुनना ही पसंद है। आज प्रधानमंत्री से सवाल पूछने वाली हर आवाज को दबा दिया जा रहा है। आज नौ साल के शासन के बाद भी वे लगातार जनता और प्रेस के सवालों से बचते हैं। उन्होंने आज तक एक भी प्रेस वार्ता नहीं की है। आज देश का उत्तरपूर्वी भाजपा शासित राज्य मणिपुर जल रहा है, उस पर प्रधानमंत्री मोदी और पूरा मंत्रिमंडल मौन साधे हुए हैं। ना ही वे सदन में कभी विपक्ष के सामने बोलने की हिम्मत जुटा पा रहे हैं।

''जिस दिन से आईएनडीआईए 'इंडिया' अर्थात इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव एलायंस अस्तित्व में आया है, प्रधानमंत्री जी इस एलायंस को जो दैव संयोग से इंडिया है। नये-नये शब्दों से विभूषित कर रहे हैं, कभी इंडियन मुजाहिद्दीन, कभी ईस्ट इंडिया कंपनी तो कभी लूटने वाला गैंग, प्रतिद्वंदी का सम्मान रुलोकतंत्र का सबसे महानतम गुण है और प्रधानमंत्री पद पर बैठे हुए उस महान व्यक्ति के महान गुण का निरंतर सरण हो रहा है। खैर आप हमको कुछ भी कहिए, जुड़ेगा भारत-जीतेगा इंडिया।''

हरीश रावत,पूर्व सीएम उत्तराखंड

चुघ ने डाक कांवरियों को किया रवाना

रूद्रपुर। वरिष्ठ भाजपा नेता व समाजसेवी भारत भूषण चुघ ने गत रात्रि हरिद्वार गंगाजल लेने जा रहे दर्जनों शिव भक्त डाक कांवरियों को ग्राम बगवाड़ा भट्टा से भगवान शिव के जयघोषों के साथ शुभकामनाएं देकर रवाना किया।

इस दौरान सारा वातावरण भगवान शंकर के जयघोषों से गुंजायमान हो गया। श्री चुघ ने कहा कि जो शिव भक्त पावन श्रावण मास में पवित्र गंगाजल लेने हरिद्वार जाते हैं उन पर भगवान की कृपा हमेशा बनी रहती है। साथ ही इनके द्वारा लाया गया पवित्र गंगा जल जहां जहां भी पहुंचता है वह क्षेत्र पावन हो जाता है तथा वहां के निवासियों पर भी भगवान शिव का आर्शीवाद बना रहता है। उन्होंने कहा कि उनका यह सौभाग्य है कि उन्हें भगवान शिव के भक्त डाक कांवरियों को पावन गंगाजल लेने हरिद्वार रवाना करने का शुभ अवसर मिला है। श्री चुघ ने कहा कि हरिद्वार से पावन गंगाजल लेने का उसी को अवसर मिलता है जिस पर भगवान भोले महादेव की विशेष कृपा होती है। उन्होंने सभी शिव भक्त डाक कांवरियों पर पुष्प की और उन्हें मिष्ठान वितरित कर जयघोषों के साथ रवाना किया। इस अवसर पर जाने वाले कांवरियों में गोविंद साहनी, देवेंद्र प्रजापति, चंद्रपाल प्रजापति, बबलू प्रजापति,भोलू प्रजापति, जितेंद्र प्रजापति, देवेंद्र प्रजापति, सतपाल प्रजापति,राजू सहनी, राजीव सहनी,अमित पाल, दीपक साहनी, बलदेव सिंह,संजू सिंह, जगबीर मेहता, प्रदीप मेहता, सरबजीत संधू, सुनील भोला, गौतम, चंदन साहनी, राजन साहनी,नन्हे भोला,रोहित साहनी, जसवंत सिंह शामिल थे। जिन्हें रवाना करने श्री चुघ के साथ जितेंद्र संधू , मोर सिंह यादव, सुरेंद्र सिंह सरजू, दीपक राणा, विजय सागर, शिवाय छाबड़ा आदि मौजूद थे।

संपूर्णानंद जेल परिसर में लगाये पौधे

शक्तिफार्म(उद संवाददाता)। श्रीरामचंद्र सेवा संस्थान के अध्यक्ष राम चन्द्र राय ने संपूर्णानंद शिविर /केंद्रीय कारागार जेल परिसर में औषधीय गुणों से परिपूर्ण पौधे जेलर सत्यप्रकाश के साथ संयुक्त रूप से लगाये गये। श्रीरामचंद्र सेवा संस्थान के अध्यक्ष राम चंद्र राय विगत 1 महीने से लगातार पौधारोपण कर रहे है।किसी भी प्रकार से किसी व्यक्ति सरकार से मदद लिए बगैर रामचंद्र राय दिन रात लोक कल्याण का कार्य कर रहे है। श्रीरामचंद्र सेवा संस्थान के अध्यक्ष राम चंद्र राय ने कहा औषधीय गुणों से परिपूर्ण शुगर के पौध वह स्वयं तैयार करते है। उन्होंने कहा वृक्ष हमारे जीवन का आधार है एक वृक्ष सौ पुत्र के समान है। शुगर नियंत्रण पौध और छायादार वृक्ष लगवाने के लिए राम चंद्र राय को केंद्रीय कारागार सितारगंज के जेलर सत्यप्रकाश सिंह ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। राम चंद्र राय ने कहा कि मानव सेवा ईश्वर सेवा है जीवन के अंतिम क्षणों तक लोककल्याण का कार्य करना ही उनका उद्देश्य है उन्होंने कहा उधमसिंह नगर के प्रत्येक क्षेत्र में औषधीय गुणों से परिपूर्ण पौध लगाया जाएगा। आज हर घर में शुगर के मरीज है एकमात्र आयुर्वेद ही शुगर से निजात दिलाने में सहायक है राम चंद्र राय ने कहा शुगर को नियंत्रित करने बाला पौध का केवल डाली मात्र लगवा देने से वह तैयार हो जाता है ।केंद्रीय कारागार जेल में शुगर के पौध से कैदियों को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से राम चंद्र राय ने उक्त परिसर में अन्य औषधीय गुणों से परिपूर्ण पौध लगवाने का भी संकल्प लिया ।

मोहर्रम पर राहगीरों को बांटा शरबत व प्रसाद

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। मोहर्रम पर्व सादगी एवं परंपरागत तरीके से मनाया गया। मोहर्रम पर्व पर मुस्लिम समाज ने गम का इजहार करते हुए हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद किया। वही किच्छा रोड भूत बंगला गेट पर मीठा पानी व प्रसाद का वितरण किया गया बताते चलें कि वरिष्ठ पत्रकार अमन सिंह के नेतृत्व में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मोहर्रम के अवसर पर राहगीरों को

मीठा पानी व प्रसाद का वितरण किया। इस मौके पर पत्रकार अमन सिंह ने कहा कि नवासा-ए-रसूल हजरत इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की शहादत की याद में मोहर्रम की दसवीं तारीख है इसलिए शहर में विभिन्न जगहों पर ताजिए निकाले जा रहे हैं इस अवसर पर राहगीरों को मीठा पानी व शरबत का वितरण किया गया है इस दौरान नबी हसन, शरीफ अहमद, कलीम अब्बास, सद्दाम, सलमान, शहजाद, आफताब, आलम, गुड्डू, मोहम्मद हसन, जीशान, आबिद, फैशन, राजा, इंतकाम मियां, शहजाद मियां समेत अनेको लोग मौजूद रहे।

बच्चों को दी गयी बैंक और कानूनी जानकारियां

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।सुचेतना समाज सेवा संस्था की तरफ से 19 गांव के बच्चों और किशोरियों ने जेपीएस के पास पंजाब नेशनल बैंक के प्रबंधक उमेश कुमार से बैंक संबंधी जानकारी प्राप्त की। सभी बच्चों को बाहर ले जाया गया वहां के डाकघर में कुंदन लाल ने डाकघर की संपूर्ण जानकारी दी। साथ ही सुकन्या योजना के बारे में बताया। इसके बाद बच्चों को रुद्रपुर कोतवाली ले गए वहां पर

महावीर सिंह ने बच्चों को पूरी कोतवाली का भ्रमण करवाया और क्राइम तथा अन्य जानकारियां दी। बच्चों को हेल्प लाइन के बारे में भी बताया कोतवाल विक्रम राठौर ने बच्चों और किशोरों को थाने में आने की परमिशन दी थी अधिक व्यस्त होने के कारण वह हमें समय नहीं दे पाए। प्रोग्राम चलाने के लिए सुचेतना डायरेक्टर फादर डेरिक पिंटू और सिस्टर प्रीति द्वारा बताया गया। रुद्रपुर की कोऑर्डिनेटर सिस्टर शारदा और सुपरवाइजर सपना द्वारा जगह-जगह पर परमिशन लेकर सभी एनिमेटर के साथ सोनम सपना स्वाति के सहयोग कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसी के साथ सेंट मैरी विद्यालय की टीचर श्रीमती अंजू ने बच्चों को क्षमता निर्माण पर प्रशिक्षण भी दिया।

सीता हरण की कथा सुन श्रद्धालु हुए भाव विभोर

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। श्री अनंत प्रेमाश्रम नंगली धाम आदर्श कालोनी में चल रही श्री राम कथा के सातवें दिन समाजसेवी संजय ठुकराल ने सपरिवार यजमान के रूप में पहुंचकर कथा व्यास आचार्य नीरजा शरणार्थी एवं पूज्यनीय निष्ठानंद जी महाराज का माल्यार्पण कर स्वागत किया और आर्शीवाद लिया। तत्पश्चात कथा व्यास ने संजय ठुकराल को शॉल ओढ़ाकर उन्हें आर्शीवाद दिया। सातवें दिन कथा में कथा व्यास आचार्य नीरजा शरणार्थी जी ने सीता

हरण की कथा सुनाकर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। इस अवसर पर बॉबी टुटेजा, सोमनाथ छाबड़ा, चेतन खनिजो, राजू हुडिया, जसपाल अरोरा, खैराती लाल गगनेजा, सुभाष गगनेजा, रमेश ग्रोवर, राकेश कालड़ा, आशीष हुड़िया, राजेंद्र हुड़िया, रमेश हुडिया,अशोक कालड़ा, रजत कालड़ा, दर्शना ठुकराल, वंशिका कालड़ा, सुमन टुटेजा, ऋतु टुटेजा, आंचल ठुकराल, जय ठुकराल, कबीर ठुकराल, सतपाल गाबा, सुदर्शन खुराना,गुलशन बजाज, दिव्यांश, रिम्पी हुड़िया, सीमा हुड़िया, सीमा रहेजा, मानसी बत्रा, प्रिया, रिचा गगनेजा, चारु, कीर्ति खनिजो, सपना बत्रा आदि मौजूद रहे।

उत्तराखंड थ्रो बॉल बालक वर्ग टीम चयनित

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। रूद्र पब्लिक स्कूल जयनगर दिनेशपुर में उत्तराखंड की थ्रो बॉल की बालक वर्ग टीम का चयन किया गया। जिला ओलंपिक संघ उधम सिंह नगर के अध्यक्ष डॉ. नागेंद्र शर्मा ने बताया कि टीम में चयन हेतु लगभग 60 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें सागर, नमन राव, वैभव, कैलाश भट्ट , गगनदीप सिंह, नवप्रीत सिंह, कुलाल, बुद्धि छेत्री, तन्मय, सौरव, नितिन साना, रुद्रांश प्रताप, रोहन आर्य, शामिल है। टीम के प्रशिक्षक सूरज विश्वास और अनुज राठौर नामित किए गए हैं। चयन प्रक्रिया में रेफरी की भूमिका सच्चिदानंद, उपेंद्र मंडल, नवल, राजेश बिष्ट ने निभाई। उक्त अवसर पर विद्यालय के एमडी हरीश भट्ट , प्रधानाचार्य नीतीश सरकार, नीतीश कुमार, योगेश चंद्र पांडे, चेतन भट्ट सहित अनेकों खेल प्रेमी उपस्थित थे। डॉ. नागेंद्र शर्मा ने बताया कि चयनित टीम तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के उपरांत कल 31 जुलाई को रुद्रपुर से रवाना होकर पांडिचेरी में आगामी 4 अगस्त से 6 अगस्त 2023 तक आयोजित होने वाली राष्ट्रीय थ्रो बॉल चौंपियनशिप में प्रतिभाग करेगी।

वोटर जागरूकता कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाये : वी.षणमुगम

देहरादून(उद संवाददाता)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. वी. षणमुगम की उपस्थिति में आज सचिवालय में आगामी लोक सभा सामान्य निर्वाचन-2024 के दृष्टिगत राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण एवं मूल्यांकन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा वित्तीय व्यय निगरानी, ईवीएम-वीवीपीएटी, ईआरओ नेट, आईटी एप्लीकेशन, पोस्टल बैलेट, ईटीपीबीएस, एमसीएमसी पेड न्यूज, चुनाव सामग्री तथा ई रोल पर विस्तार से प्रशिक्षण, प्रश्नोत्तरी एव विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. षणमुगम ने कहा कि राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर को अपने प्रशिक्षण व अनुभवों का लाभ धरातल पर निर्वाचन से जुडे सभी अधिकारियों और कार्मिकों तक भी पहुंचाना होगा। इस दिशा में प्रभावी समन्वय से टीम भावना के साथ कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मतदाताओं में जनजागरूकता बढ़ा कर मतदान प्रतिशत को अधिक से अधिक बढ़ाया जाना चाहिए। स्वीप के माध्यम से वोटर जागरूकता कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यक है। युवाओं को विशेषरूप से इस अभियान से जोड़े जाने पर भी उन्होंने बल दिया। प्रशिक्षण शिविर में श्री प्रताप शाह, श्री मनमोहन मैनाली, श्री तंजीम अली, श्री असलम, मो. मुस्तफा खान, श्री मनीष जुगरान, श्री रवि बिजारनिया, उप निदेशक सूचना एवं श्री मस्तू दास, सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तराखण्ड आदि ने प्रतिभाग किया।

विवाद में दो पक्षों में छिड़ा संघर्ष

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। स्कूटी से हुई मामूली टक्कर के पश्चात राजेंद्र नगर राजपुरा में दो पक्षों के बीच संघर्ष हो गया। जिसमें कुछ को चोटें आ गई। मामले को लेकर दोनों पक्षों की तहरीर मिलने पर कोतवाली पुलिस ने क्रॉस केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस को दी तहरीर में एक पक्ष के विशाल ने आरोप लगाया है कि बीते 25 जुलाई की शाम को स्कूटी से आ रही पड़ोसी निवासी मीना पत्नी प्रेम राम की चुनरी उसकी स्कूटी के ब्रेक से टच हो गई। जिसके बाद रात्रि में आरोपियों ने उससे व उसकी बहन के साथ मारपीट कर दी। वहीं दूसरे पक्ष से मीना देवी का आरोप है कि 25 जुलाई की रात को विशाल ने उन्हें स्कूटी से टक्कर मार दी थी। जिसके बाद विरोध करने पर विशाल अपनी माँ, 3 बहने 2 भाई समेत 8-10 लोगों को लेकर उनके घर आ गया। उनके पति प्रेमपाल को बुरी तरह से पीट दिया। एसएसआई विजय मेहता ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विद्युत चोरी में दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया

काशीपुर(उद संवाददाता)। विद्युत चोरी के आरोप में पुलिस ने तहरीर के आधार पर दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस को दी तहरीर में विद्युत विभाग के उपखंड अधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि वाल्मीकि बस्ती मोहल्ला महेश पुरा निवासी संजय पुत्र मोहन तथा यही कि राजा राम पुत्र लल्लू राम पिछले लंबे समय से एलटी लाइन में कटिया डालकर विद्युत चोरी किया करते थे। पुलिस ने तहरीर के आधार पर उपरोक्त दोनों के खिलाफ धारा 135 विद्युत अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर लिया। काशीपुर। बेकरी की दुकान चलाने वाले एक व्यक्ति का कीमती मोबाइल दुकान से बेहद नाटकीय अंदाज में चोरी हो गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात चोर के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। घटना के बारे में पुलिस को तहरीर देकर नई सब्जी मंडी शक्ति नगर निवासी कार्तिक यादव पुत्र देवेंद्र यादव ने बताया कि सराय गंज मेन मार्केट स्थित यादव बेकरी नामक उसके प्रतिष्ठान से उसके पिता का मोबाइल रेडमी नॉट 7 अज्ञात चोरों द्वारा उड़ा दिया गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर प्रतिष्ठान के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से चोर का पता लगाना शुरू किया है।

श्री बांके बिहारी की कृपा से
श्री ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा एवं श्री खादू श्याम यात्रा
दिनांक-30 जुलाई से 10 अगस्त 2023 तक
● AC वाल्वो बस ● विभिन्न मन्दिरो के दर्शन
● भोजन की सुविधा ● ठहरने की उचित व्यवस्था
प्रति व्यक्ति किराया मात्र 15,000/- रूपये
यात्रा के लिये श्री मन्दिर मनकामेश्वर मन्दिर, श्याम टाकीज रोड,रूद्रपुर से 30 जुलाई को वाल्वो एसी बस जा रही है। इस परिक्रमा यात्रा में जो भी श्रद्धालु जाने का इच्छुक हो, वह निम्न मोबाईल नम्बर पर सम्पर्क कर अपनी सीट सुरक्षित करा सकता है।
सम्पर्क करे-7248133444,8476003072

Shri Shyam Properties
Deals In: Sale, Purchase And Rent Of Any Type Of Property
CONTACT NO.: 7830482222, 7500049657

वाटर प्रूफिंग
हमारे यहां मकान की वाटर प्रूफिंग जैसे- छत का टपकना, सिलन आना, लिकीज होना, बेसमेन्ट, शौचालय, बाथरूम, किचन में सिलन आना व पानी टपकना एवं टिन शैड का कार्य सन्तोषजनक किया जाता है।
प्रो. शादाब खान
9012051994, 6399038125
आर्क होटल के पीछे, बत्रा कालोनी, बिलासपुर रोड, रुद्रपुर

उत्तराखंडवासी पीढ़ियों से पर्यावरण के संरक्षक : धामी

बाघों के संरक्षण संवर्धन के लिये वन विभाग को अत्याधुनिक उपकरणों के प्रयोग से लैस करने की जरूरत : अश्विनि कुमार

रामनगर(उद संवाददता)। दैणा होया खोली का गणेशाय वंदना से सीआरवीआर रामनगर में ग्लोबल टाइगर डे की शुरूआत की गई। संस्कृति विभाग के सौजन्य से उत्तराखंड की अनूठी परम्परा के साथ ही झोड़ा, छपेली कार्यक्रम की रंगारंग सांस्कृतिक झलक की मनोहर प्रस्तुति दी गई। सीआरवीआर रामनगर में वैश्विक व्याघ्र दिवस आयोजित किया गया। ग्लोबल टाइगर्स दिवस बाघों के संरक्षण के लिए मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य बाघों की प्रजातियों की घटती आबादी के बारे में जागरूकता पैदा करना है। इस अवसर पर राज्यवार बाघों के आंकड़े जारी किए व

बाघों के संरक्षण व संवर्धन हेतु तीन रिपोर्ट भी जारी की गई। इसके साथ ही भारत के 06 टाइगर रिजर्व को ग्लोबल कैट्स ऐक्ररेडिशन सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया। पूरे भारत मे वन्य जीव संरक्षण की दिशा में असाधारण व सराहनीय कार्य करने वाले वन विभाग के कुल 11 फ्रंटलाइन वर्कर को सम्मानित किया गया जिसमें सिमलीपाल टाइगर रिजर्व के 02 कार्मिकों को मरणोपरांत उनके कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। ग्लोबल टाइगर डे पर आयोजित कार्यक्रम में वर्चुअली प्रतिभाग करते हुए सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि वनों एवं वन्यजीवों का संरक्षण देवभूमि की संस्कृति एवं दैनिक जीवन का अभिन्न अंग है तथा प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाना हमारा संस्कार है। यह उत्तराखंड की संस्कृति है जो हमें धरोहर के रूप में हमें पुरखों से संस्कार में मिली है। हमें इको टूरिज्म में स्थानीय समुदाय की और अधिक भागीदारी सुनिश्चित करते हुए होम स्टे, बर्ड वॉचिंग व अन्य क्रियाकलापों पर अधिक कार्य करने की आवश्यकता है। उत्तराखंड में बाघों की संख्या में इजाफा होने पर सीएम ने उत्तराखण्ड की जनता, वन विभाग के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ ही स्थानीय प्रतिभागियों को बधाई दी। कहा कि वर्ष 2018 में 442 बाघों की संख्या थी जो वर्ष 2022 तक बढ़ कर 560 हो गई है। सीएम ने देश भर के टाइगर रिजर्व से पहुँचे प्रमुख वन्य जीव संरक्षकों से जिम कॉर्बेट संग्राहलय कालाढूंगी में जाने का अनुरोध किया। कहा कि विश्व विख्यात जिम कॉर्बेट ने अपने जीवन का काफी समय कालाढूंगी में व्यतीत किया। कालाढूंगी में उनका पुराना घर है जिसे एक संग्रहालय का रूप दिया गया है। श्री धामी ने कहा कि हम अपनी सदियों पुरानी परंपरा का आज भी पालन कर रहे हैं, जो हमें सिखाती है कि हमें जीव-जंतुओं, पेड़-पौधों के संग समरसता के साथ रहना चाहिये, क्योंकि ये सब भी इस धरती पर हमारे साथ ही रहते हैं। चिपको आंदोलन के नाम से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मशहूर हुए इस महिला सत्याग्रह ने पूरी दुनिया में पर्यावरण संरक्षण और नारी सशक्तिकरण को नए अर्थों में परिभाषित किया। हमने हाल ही में इस आंदोलन के 50 वर्ष पूर्ण किए हैं और मैं आज इस मंच से उन सभी सत्याग्रहियों को नमन करता हूं, जिन्होंने उस समय हमारे पेड़ों को बचाया।उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा हल्द्वानी में जल्द ही वाइल्ड लाइफ हॉस्पिटल का शिलान्यास भी किया जाएगा। साथ ही वन विभाग के अधिकारियों को कार्य के दौरान आने वाली चुनौतियों पर कार्य करके उनके समाधान के प्रयास पर कार्य करने को कहा। उन्होंने कहा कि वन्यजीव और मानव संघर्ष के प्रकरणों पर विभाग को स्वत: ही सरकार द्वारा दी जाने वाली अनुमन्य सहायता दी जानी चाहिए जिससे पीड़ित पक्ष को अनावश्यक दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़े। केंद्रीय वन, पर्यावरणीय ,जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री श्री अश्विनि कुमार चौबे ने कहा कि प्रकृति की रक्षा करना मानव जीवन का कर्तव्य है। जब मनुष्य प्रकृति की रक्षा करेगा तो प्रकृति स्वयं ही प्राणियों की रक्षा करेगी। उन्होंने कहा कि आज बाघ संरक्षण के 05 दशक पूरे किए हैं जो कि उपलब्धियों से परिपूर्ण है। पूरे विश्व के 75 प्रतिशत से अधिक बाघ भारत में पाए जाते है। उन्होंने कहा बाघों के संरक्षण संवर्धन में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए वन विभाग को अत्याधुनिक उपकरणों के प्रयोग से लैस किया गया है किंतु आवश्यकता है अधिक सशक्त बनाने की। उन्होंने कहा जिस प्रकार सेना व पुलिस को उनकी वीरता के लिए पदक दिया जाता है उसी प्रकार वन विभाग को भी उनके साहसिक कार्यों के लिए वीरता पदक से राष्ट्रपति द्वारा नवाजा जाए, इस दिशा में कारगर प्रयास जारी है। उन्होंने बाघों के महत्व के विषय मे बताया कि बाघ को स्थानीय समुदायों की आजीविका एवं सतत् विकास का प्रतीक चिन्ह माना गया है। इसे पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य का संकेतक मानते हुए वैश्विक स्तर पर सतत् विकास, जैव विविधता संरक्षण तथा जलवायु परिवर्तन निवारण के मानक के रूप में देखा गया है। केंद्रीय मंत्री एवम पर्यटन रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने कहा कि वन्य जीव टाइगर के संरक्षण व संवर्धन के लिये 1973 में प्रोजेक्ट टाइगर की शुरुआत की गई। कहा कि बाघों के संरक्षण व संवर्धन के लिए वित्तीय सहयोग भी किया जाएगा।

उत्तराखंड में बाघों की संख्या बढ़ कर 560 हुई

रामनगर। कार्यक्रम में राज्यवार बाघों के आंकड़े जारी किए गए। पूरे भारत वर्ष में 2018 की तुलना में 2022 में 715 बाघों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। 2022 के आंकड़ों के आधार पर बाघों की कुल संख्या 3682 है जो कि 2018 में 2967 थी। सर्वाधिक बाघ मध्यप्रदेश में 785 फिर कर्नाटक में 563 व उत्तराखंड में 560 बाघों की संख्या रही। जारी आंकड़ों के अनुसार उत्तरखण्ड कार्बेट टाइगर रिजर्व में बाघों की सँख्या बड़ी है। 2018 की तुलना में 118 बाघ बड़े है राज्य में अब कुल बाघ 560 हो गए है। वहीं कार्बेट टाइगर रिजर्व में पहले 231 बाघ जो बढ़कर 260 हो गए है। प्रोजेक्ट टाइगर के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी व नेशनल म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री द्वारा एक चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसकी थीम थी टाइगर, द किंग ऑफ जंगल। 18 राज्यों व 02 केंद्र शासित प्रदेशों से 6892 प्रविष्टि देशभर में की गई थी जिसमें से 20 लोगों को पुरस्कृत किया गया। प्रथम तीन स्थान पर आने वालों को क्रमश: 5000 4000 व 3000 की धनराशि दी गई। प्रथम स्थान पर दिल्ली के ग्यारहवीं के युवराज द्वितीय स्थान पर दिल्ली के ही बारहवीं कक्षा के अनुराग कुमार व तृतीय स्थान पर भुवनेश्वर की 11वीं की नयनिका जीना रही। कार्यक्रम में भारत के विभिन्न टाइगर रिजर्व से आये ईडीसी व स्वयं सहायता समूह द्वारा स्थानीय उत्पादों का स्टाल लगाकर प्रदर्शन भी किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष बेला तोलिया, विधायक रामनगर दीवान सिंह बिष्ट, भीमताल राम सिंह, नैनीताल सरिता आर्या,यमकेश्वर रेणु बिष्ट, महानिदेशक वन सीपी गोयल, सदस्य सचिव एनटीसीए डॉ ऐस पी यादव, आईजीएफ अमित मलिक, प्रमुख वन संरक्षक अनूप मलिक, समीर सिन्हा, कुमाऊँ मुख्य वन संरक्षक पी के पात्रो, आईजी नीलेश आंनद भरणे, डायरेक्ट कॉर्बेट डॉ धीरज पांडेय, राजाजी डॉ साकेत बड़ोला सहित अन्य वन अधिकारी उपस्थित थे।

गुरु कृपा के बिना मोक्ष संभव नहीं

श्री ज्वाला दास गोसाई जी महाराज की पुण्य तिथि पर हवन यज्ञ आयोजित

गदरपुर(उद संवाददाता)। श्री सनातन धर्म मन्दिर सरदारनगर में परम पूज्य श्री श्री 1008 श्री ज्वाला दास गोसाई जी महाराज की पुण्य तिथि पर आयोजित 39वॉ विशाल यज्ञ का आयोजन किया गया। गुड़गाव हरियाणा से पधारे संत अनिल कुमार गोसाई द्वारा श्रद्धालुओं को गुरु के बताये गये मार्ग पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मनुष्य शरीर पाने के बाद भी जो जीवात्मा ईश्वर भक्ति में तल्लीन नहीं रहता वह पशु तुल्य है। गुरू की कृपा के बिना मोक्ष संम्भव नहीं। सच्चा शिष्य वह है जो गुरू द्वारा बताये गये मार्ग पर चले। रामचरित मानस पाठ का समापन मंत्रोच्चार के बीच कराया। कार्यक्रम का संचालन कर रहे टीकम खेड़ा ने बाहर से आये सभी लोगों को आभार प्रकट किया। इसके बाद विशाल भंडारा आयोजित किया गया। इस मौके पर माता कैलाश रानी सुखशांतिनगर, रविन्द्र बजाज, सोमनाथ छाबड़ा, लेखराज भुड्डी, हरि खेड़ा, सूरज खेड़ा, सौरभ खेड़ा, नवीन खेड़ा, राजकुमार खेड़ा, मोहन लाल खेड़ा, कृष्ण लाल नरुला, सुभाष डूमड़ा, हरीश बजाज, अनिल कालड़ा, रचित खेड़ा, भगत सुधा, परमजीत सिंह पम्मा, अजय खेड़ा, चिमन लाल खेड़घ कृष्ण

अपने मुखार बिन्दु से भक्तजनों को ईश्वर भक्ति एवं गुरुभक्ति के बारे में मार्ग दर्शन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि गुरु कृपा के बिना मोक्ष संभव नहीं है। तुलसीधाम मल्सा से पधारे संत राजेन्द्र कुमार ने अपने प्रवचन में ईश्वर भक्ति एवं गुरु महिमा का गुणगान करते हुए वहीं श्री जय भवानी जागरण मंडल के महंत पंडित पं. राजन शर्मा एवं आजाद नगर किच्छा से पधारे पं. अनिल कुमार शर्मा द्वारा अपने-अपने प्रवचन एवं भजनों से श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर झूमने पर मजबूर कर दिया। इससे पूर्व पं भीष्मदत्त शर्मा ने हवन यज्ञ के उपरान्त भाजपा जिलाध्यक्ष गुंजन सुखीजा, क्षेत्रीय विधायक अरविन्द पांडेय के सुपुत्र अतुल पांडेय, प्रीत ग्रोवर, राजेन्द्र पाल सिंह, धर्मचन्द खेड़ा, जय किशन अरोरा, हरनाम सेतिया, ओम प्रकाश अरोरा, हरिचन्द छाबड़ा, ग्राम प्रधान शिल्पी खेड़ा, चन्द्र खेड़ा, विनोद भुसरी, लाल खेड़ा, गोकुल चन्द खेड़ा, श्याम लाल खेड़ा, विशाल खेड़ा, अनिल भुसरी, अनिल नारंग, सुभाष खुराना, केशव खेड़ा, निशा खेड़ा, सुनीता, सुमन, नीलम, वर्षा, सीमा खेड़ा, नीतू, सीमा, आशा, राधा, सिम्पल खेड़ा, अर्चना, ऊषा, सहित काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

जागेश्वर धाम के लिए रवाना हुआ मोटर साइकिल सवार श्रद्धालुओं का जत्था

गदरपुर(उद संवाददाता)। श्रावण मास के माह में अल्मोड़ा जिले में स्थित पावन जागेश्वर धाम की यात्रा के लिए मोटरसाइकिल सवार श्रद्धालुओं का एक जत्था सुख शांति नगर से रवाना हुआ। रविवार को श्री दुर्गा ज्योति मंदिर सुख शांतिनगर की माताजी कैलाश रानी ने मोटरसाइकिल सवार श्रद्धालुओं को तिलक लगाया और झंडी दिखाकर रवाना किया गया। मोटरसाइकिल सवार श्रद्धालुओं का यह जत्था गदरपुर से हल्द्वानी, भीमताल होते हुए डोल आश्रम के दर्शनों के उपरांत शहर फाटक होते हुए आरतोला जागेश्वर पहुंचेगा। आरतोला में रात्रि विश्राम

के उपरांत 31 जुलाई को प्रात: श्रद्धालुओं का जत्था पवन जागेश्वर धाम में जलाभिषेक के उपरांत अल्मोड़ा से गोलजू मंदिर चितई एवं कैंची धाम होकर हल्द्वानी से रुद्रपुर होते हुए वापस लौटेगा। मोटरसाइकिल सवार श्रदालुओं के दल में पूर्व ग्राम प्रधान मनोहर प्रकाश, बिजेन्द्र सक्सेना, जसपाल डोगरा, अजीत शर्मा, श्याम सिंह बिष्ट, सोनू सिंह, सूरजपाल, अर्जुन कुमार, पुष्पेंद्र कुमार, सुरेश कुशवाहा, रजत शर्मा, मोहन कुमार, सोनू सिंह, आनंद कुमार, घनश्याम ठाकुर, साहिल ग्रोवर, मनीष कुमार, गौरी ठाकुर, आकाश कुमार, सूरज खरवार, अजीत कुमार, जितेंद्र कुमार, विनय कुमार, गौरव कुमार, संदीप कुमार, दीपक ठाकुर, सोनू ठाकुर, सावन कुमार, नवीन ठाकुर, विकास कुमार, हीरा लाल, अजीत मंडल, गोपाल, राजकुमार मेहता आदि शमिल है।

गमगीन माहौल में निकाला मोहर्रम का जुलूस

गदरपुर(उद संवाददाता)। गदरपुर में यौमे आशूरा के मौके पर सभी ताजियों को जुलूस की शक्ल में करबला ले जाया गया ।इस मौके पर जुलूस में मोजूद भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे के प्रदेश मंत्री जुल्फकार अली ने कहा कि दुनिया में तारीख गवाह है कि सच और हक की जीत होती है। झूठा अय्यार मक्कार अना तकब्बुर वाले जालिम यजीद को हार का मुंह देखना पड़ा है।उन्होंने कहा कि हुसैनियत कयामत तक जिंदा रहेगी और यजीदयत पर लानत हमेशा पड़ती रहेगी।साफ कहा शैतान किसी भी घर में पैदा हो सकता है यजीद मलाउन के वालिद सरकार के चाहने वाले थे और इस खब्बीस यजीद ने उनके नाम को डुबोने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी।पूरी कौम यजीद मुर्दाबाद कर रही है। लानत उस यजीद पर जिसने इंसानियत का कत्लेआम किया दीन को नुकसान पहुंचाने की कोशिस की लेकिन अल्लाह ने हुसैनियत और हुसैन के चाहने वालो को हक पर कायम रखा है और यजीदयत की राह पर चलने वालों को मिटा दिया है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रशासन ने शांति और सुरक्षा व्यवस्था का अच्छा इंतजाम किया। इसके लिए प्रशासन पुलिस प्रशासन बधाई का पात्र है।इस मौके पर जुलूस में अंजार हुसैन, नजीर तेली, रासम सलमानी, सोनू सलमानी, सैफ अली पाशा, सलीम, फारुख, शहादत, गुड्डू, गुलाम नबी, सरफराज, जाहिद, कलुआ सलमानी, गुलफाम, आजम मंत्री, जनाब पाशा, शाकिर, मेहरबान, रिजवान, फहद, असद, नूर हसन मंसूरी, जसीम बंजारा, छोटू, परवेज, मोनिश मंसूरी, शहादत सलमानी, शान अली, शानू, नन्हे तेली, सुलतान, अरमान, रिजवान अली, सद्दाम मदारी, मोहम्मद उमर, वसीम अख्तर आदि बहुत से लोग मौजूद थे ।

KOTIA ENTERPRISES
शुद्धता में सर्वोत्तम
100% Pure
शुद्ध तेल खाओ, जीवन लम्बा बनाओ !
वीर कच्ची घानी
होम डिलीवरी उपलब्ध
Ward No.16 Kichha Road, Bagwara Rudrapur (U.S.Nagar)
Veer Singh Virk
Managing Director
Mob.+919837146811,7500035083
Email:veersingh.bagwara@gmail.com
खल सरसों (लाही) गेहूं (कनक)/धान/मटर/सोयाबीन,उच्च मूल्य पर खरीदने बेचने के लिए संपर्क करें

मोहर्रम पर्व पर मरीजों को फल वितरित किये

काशीपुर (उद संवाददाता)। सामाजिक संगठन द इलाइट क्लब की ओर से पाक मोहर्रम के मौके पर एल डी भट्ट हॉस्पिटल व उजाला अस्पताल की दोनों यूनिट मानपुर रोड और रामनगर रोड काशीपुर में मरीजों को फलों का वितरण किया गया । सैकड़ों मरीजों ने युवाओं के संगठन की इस पहल का स्वागत किया। इस मौके पर संगठन के साथियों ने समाज के हित में आगे भी लोगों की मदद करने की बात कही । आज के कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार नदीम अखह्तर अंसारी, सामाजिक कार्यकर्ता हनीफ गांधी, राशिद अंसारी, एडवोकेट अली अनवर, नौशाद अली, प्रोफेसर मिर्जा नदीम बेग, मोहम्मद दानिश, वासिफ अंसारी, आलमगीर, अकरम सैफी, मोनिश आशी, शहजाद रॉय, फैसल खान आदि सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए डॉक्टर सौम्या, फार्मासिस्ट राजेश एवम डॉक्टर शाहिद और संपूर्ण स्टाफ ने पूर्ण सहयोग प्रदान किया। इस मौके पर द एलिट क्लब के अध्यक्ष नदीम अखतर अंसारी ने कहा की संगठन का उद्देश्य यही है की समाज के आखिरी पायदान के लोगो को जागरूक कर उनके हित के लिए भविष्य में इस तरह के गैरराजनीतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाए।

इंडियाज टैलेंट फाईट शो में नजर आएंगे कृतार्थ टम्टा

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। कुमांऊ के उभरते सिंगर कृतार्थ टम्टा 31 जुलाई को रात्रि 11.55 पर 9एक्सएम नेशनल टीवी चैनल पर प्रसारित होने वाले इंडियाज टैलेंट फाईट टीवी शो में नजर आयेंगे। उन्होंने इस मुकाम तक पहुँचने के लिए कड़ी मेहनत और कडे प्रयास किये हैं।उनका पहला राउण्ड ऑनलाईन ऑडीशन, विडियो सांग के द्वारा किया गया। 23 नवम्बर 2022 को दूसरे राउण्ड और और तीसरे राउण्ड के लिए उन्हें रुड़की बुलाया गया। टॉप 30 में तीन राउण्ड क्लियर करने के पश्चात चौथा टीवी राउण्ड भी रूड़की में सम्पन्न हुआ। वहाँ पर कृतार्थ के गीतों की शूटिंग हुई। जिसका प्रसारण अब 31 जुलाई को 9एक्सएम नेशनल चैनल पर रात्रि 11.55 बजे होगा।

लक्ष्य प्राप्ति तक प्रयास नहीं छोड़ने चाहिए: हरि चैतन्य पुरी

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।लक्ष्य प्राप्ति तक किसी भी व्यक्ति को प्रयास नहीं छोड़ने चाहिए। यह बात श्री हरि कृपा आश्रम कामां भरतपुर के पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 श्री हरि चैतन्य पुरी जी महाराज ने कामां भरतपुर आश्रम में उपस्थित हरि भक्तो का मार्ग दर्शन करते हुए कही। उन्होंने कहा कि संसार के सभी जीव मोहरूपी रात्रि में सोए हुए हैं। मोह नींद में सोए उन जीवों को जगाने ही सभी संत, महापुरुष आते हैं। यहाँ तक कि परमात्मा भी। महाराज श्री ने कहा कि इस संसार रूपी रात्रि में मात्र परमार्थी व प्रपंच से वियोगी लोग ही जागते हैं। जीव को जगा हुआ तभी जानना चाहिए जबकि उसे सभी विषयों व विलासताओं से वैराग्य हो जाए, उठो, जागो व अपने लक्ष्य की ओर बिना रुके तब तक चलते रहो जब तक कि तुम्हें तुम्हारा लक्ष्य प्राप्त न हो जाए, शास्त्रों का भी यही उद्घोष है। व्यक्ति जन्म, रूप, कुल, वैभव आदि से नहीं अपितु अपने कर्मों से महान बनता है। उन्होंने अपने दिव्य प्रवचनों को आगे बढ़ाते हुए कहा कि सुमति व कुमति ह 'प्राणी के अंदर सदैव रहती है। कब कौन सी बुद्धि उजागर हो जाए कोई कुछ कह नहीं सकता। हाँ अच्छे सँग से सुमति व बुरे संग से कुमति ही उत्पन्न होगी। जहाँ सुमति होगी वहाँ सुख, सम्पत्ति तथा जहाँ कुमति होती है वहाँ दु:ख व विपत्तियां मंडराने लगती है। जब हितैषी शत्रुवत तथा शत्रु मित्रवत लगने लगे तो समझ लो कि कुमति उजागर हो रही है। जो विनाश का कारण बनेगी। अत: कुमति को त्यागकर सुमति के पथ का ही अनुसरण करना चाहिए। इस दौरान जगह-जगह हजारों भक्तों ने महाराज श्री का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।

डीएम ने किया सिडकुल में चल रहे कार्यों का निरीक्षण

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। जिलाधिकारी उदयराज सिंह ने एनडी तिवारी औद्योगिक आस्थान पंतनगर में चल रहे विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने ल्यूमिनस प्रोजेक्ट की जानकारी लेते हुए कहा कि प्रोजेक्ट को अतिशीघ्रता से पूर्ण किया जाए ताकि प्रोडक्शन भी जल्दी शुरू हो और युवाओं को भी रोजगार मिले। जिलाधिकारी ने परफेटी का भी निरीक्षण किया और विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उप जिलाधिकारी एवम आरएम सिडकुल मनीष बिष्ट ने बताया कि ल्यूमिनस प्रोजेक्ट में सोलर पैनल लगाने सहित सभी कार्य फरवरी माह तक पूरे हो जाएंगे और प्रॉडक्शन भी शुरू हो जाएगा। निरीक्षण के दौरान सीडीओ विशाल मिश्रा, उप जिलाधिकारी मनीष बिष्ट सहित अन्य अधिकारी व कम्पनी के मैनेजर आदि उपस्थित थे।

गुरू मां
GURU MAA ENTERPRISES
AC चाहिए ?
आधार लाये, उधार ले जायें...
0% BAJAJ FINSERV
UP TO 50% OFF
सबसे ज्यादा कैशबैक
0% ब्याज मुक्त फाइनेंस
खरीदारी के दिन डिलीवरी
Guru Maa Enterprises
हल्द्वानी
तिकोनिया मो- 9837077682
चर्च कम्पाउंड मो- 9690256666
पिली कोठी मो- 9997207007
रुद्रपुर
काशीपुर बाईपास रोड
मो- 9927882338, 9568869000
काशीपुर
चीमा चौराहा मो-7455045084
रामनगर रोड मो-9917161111
गदरपुर
गुरूनानक इंटरप्राईजेज
पंजाबी कालोनी गली मो-9927850999

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

रेल सेवाओं का आधुनिकीकरण

इस साल मई तक छह हजार चार सौ सत्ताईस स्टेशनों पर सिग्नल और प्वाइंट के केंद्रीकृत परिचालन वाली इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रानिक इंटरलाकिंग प्रणाली की व्यवस्था की गई है। देश में रेल सेवाओं के आधुनिकीकरण और उसे बेहतर बनाने के लगातार प्रयासों के बीच अगर हादसों की रफ्तार पर लगाम नहीं लग पा रही है तो निश्चित रूप से यह चिंता की बात है। हालांकि कई स्तरों पर सुधार की वजह से रेल दुर्घटनाओं में कमी दर्ज की जा रही है, लेकिन अब भी ऐसे हालात बने हुए हैं जिसमें बालासोर हादसे जैसी त्रासद घटना सामने आ जाती है। इसके अलावा, देश भर में रेल पटरियों पर छोटे-बड़े हादसे अक्सर होते रहते हैं। लोकसभा में एक प्रश्न के उत्तर में सरकार ने यह जानकारी दी कि 2014 से 2023 के दौरान हर वर्ष औसतन एकहत्तर रेल दुर्घटनाएं हुईं। यह स्थिति तब है जब सरकार की ओर से रेल सेवाओं में बेहतरी के लिए आधुनिक और तकनीकी पहलू से हर स्तर पर काम करने का दावा किया गया और सुविधाओं से लेकर रफ्तार तक के मामले में नए मानक गढ़ने का भरोसा दिया गया। हालांकि यह कहा जा सकता है कि 2014 से पहले के दस वर्षों की अवधि में हुई रेल दुर्घटनाओं के मुकाबले बाद के इन वर्षों में हादसों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई। लेकिन इसके बावजूद मौजूदा तस्वीर को संतोषजनक नहीं कहा जा सकता।यों रेलपथ, सिग्नल प्रणाली और इंजन आदि में कई स्तर पर सुधार, संरक्षा कार्य और उनके नवीनीकरण और उन्नयन के लिए राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष का सृजन करने की पहल हुई है। लेकिन यह भी सही है कि देश में जितनी भी रेल दुर्घटनाएं होती हैं, उनके मुख्य कारणों में इसी मोर्चे पर मौजूद खामियां होती हैं, जिन्हें समय पर या दुरुस्त नहीं किया जाता है। सरकार की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, मानवीय विफलताओं के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को समाप्त करने के लिए इस साल मई तक छह हजार चार सौ सत्ताईस स्टेशनों पर सिग्नल और प्वाइंट के केंद्रीकृत परिचालन वाली इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रानिक इंटरलाकिंग प्रणाली की व्यवस्था की गई है।इसके अलावा, ग्यारह हजार तेंतालीस समपार फाटकों पर इंटरलाकिंग का इंतजाम किया गया है। लेकिन करीब दो महीने पहले बालासोर में तीन ट्रेनों के आपस में टकरा जाने का जो भयानक हादसा हुआ था, उसमें शुरुआती तौर पर यांत्रिक गड़बड़ियों और मानवीय त्रुटियों को ही जिम्मेदार बताया गया था। जाहिर है, संसाधनों की व्यवस्था के साथ-साथ उसके उपयोग के मामले में भी जरूरी प्रशिक्षण और सजगता सुनिश्चित करने की जरूरत है।यह जोर देकर बताया जाता है कि ट्रेनों की रफ्तार को बढ़ाया जाएगा। कई मामले में ऐसा संभव भी हो सका है। लेकिन यह पहलू भी ध्यान रखने की जरूरत है कि पटरियों की गुणवत्ता और आयु के मुताबिक उस पर बोझ हादसों की स्थितियों को प्रभावित करते हैं। रखरखाव या प्रबंधन और निगरानी के मामले में बहुत मामूली चूक किसी तेज रफ्तार ट्रेन के हादसे को ज्यादा भयावह रूप दे सकती है। इसी तरह, दुर्घटनाओं को रोकने के लिए टक्कर-रोधी प्रणाली के विस्तार की गति अभी बहुत धीमी है। इसलिए कमोबेश हर दुर्घटना के बाद कारण के रूप में जिन बातों को चिह्नित किया जाता है, उन्हें दूर करने को लेकर उतनी ही सजगता भी दर्शायी जानी चाहिए। सूचना के अधिकार के तहत सामने आई एक जानकारी के मुताबिक अब भी रेल महकमे में दो लाख चौहत्तर हजार पद रिक्त हैं, जिनमें करीब पौने दो लाख पद केवल सुरक्षा श्रेणी के हैं। रेल सेवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाने के बीच तेज रफ्तार और सुविधाओं से लैस ट्रेनों के संचालन के साथ-साथ सुरक्षा और संरक्षा के मोर्चे को भी पूरी तरह दुरुस्त करने की जरूरत है। अन्यथा हर साल इतनी तादाद में होने वाले हादसे रेलवे के आधुनिकीकरण के सामने एक बड़ी चुनौती बने रहेंगे।

लामबगड़ में दरका नेशनल हाईवे,सैकड़ों यात्री फंसे

गंगोत्री और यमुनोत्री हाईवे पर भी भूस्खलन का सिलसिला जारी

चमोली। बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग शनिवार को खचड़ा नाला और लामबगड़ नाले में करीब 10 घंटे तक बाधित रहा। लामबगड़ नाले में हाईवे का करीब 20 मीटर हिस्सा बह गया है। यहां सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की ओर से वाहनों की आवाजाही के लिए सड़क की वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। हालांकि अभी भी नाले में पानी अधिक होने के कारण छोटे वाहन फंस हैं।पुलिस और एसडीआरएफ के जवानों की मौजूदगी में यात्रा वाहनों की आवाजाही करवाई जा रही है। छिनका में भी पहाड़ी से मलबा आने के कारण करीब एक घंटे तक हाईवे के दोनों ओर से वाहनों की आवाजाही रुकी रही। शुक्रवार रात को हुई भारी बारिश से लामबगड़ नाले में बदरीनाथ हाईवे करीब 20 मीटर तक बह गया।यहां पानी के साथ भारी मात्रा में मलबा व बोल्डर हाईवे पर आ गए। खचड़ा नाले के भी ऊफान पर आने से हाईवे नाले में तब्दील हो गया। शनिवार सुबह करीब पांच बजे पुलिस प्रशासन को लामबगड़ और खचड़ा नाले में हाईवे के अवरुद्ध होने की सूचना मिली, जिस पर बदरीनाथ धाम से लौट रहे करीब 500 यात्रियों को धाम में ही रोक लिया गया, जबकि धाम की ओर जा रहे करीब 1000 तीर्थयात्रियों को पांडुकेश्वर और लामबगड़ में रोक लिया गया। बीआरओ की ओर से सुबह सात बजे बारिश धीमी होने पर जेसीबी से हाईवे को खोलने का काम शुरू किया गया। प्रदेश में अभी भी 10 स्टेट हाईवे सहित 213 सड़कें बंद हैं। लोनिवि के प्रमुख अभियंता दीपक यादव ने बताया कि पुलों और सड़कों को पूर्ववत स्थिति में लाने के लिए अनुमानित 30522.60 लाख रुपये खर्च करने होंगे। अभी जिलों को 208.17 लाख रुपये जारी कर दिए गए हैं। मानसून सीजन शुरू होने के बाद से 56 पुलों को भी नुकसान पहुंचा है। बारिश के बीच गंगोत्री और यमुनोत्री हाईवे के बंद और खुलने का सिलसिला जारी है।

यमुनोत्री हाईवे ओजरी-डाबरकोट में मलबा आने के कारण करीब 6 घंटे रहा बंद। जिसे एनएच की मशीनरी ने आवाजाही के लिए खोला। तो वहीं गंगोत्री हाईवे भी धरासू के समीप करीब चार घंटे बंद रहा। जिसे बीआरओ ने आवाजाही के लिए सुचारू करवाया। जनपद में शनिवार सुबह से ही रूक-रूक बारिश जारी है। जिस कारण गंगोत्री और यमुनोत्री हाईवे पर कई स्थानों पर बंद और खुलने का सिलसिला जारी है। हाईवे की स्थिति के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों को मार्ग खुलने के लिए घंटो इंतजार करना पड़ रहा है। यमुनोत्री हाईवे शनिवार सुबह ओजरी-डाबरकोट,खरादी सहित दोपहर में पालीगाड़ और तलोग में मलबा आने के कारण बंद रहा। जिसे एनएच विभाग ने अलग-अलग समय पर आवाजाही के लिए सुचारू करवाया। वहीं गंगोत्री हाईवे धरासू सहित सुनगर के समीप बंद रहा। जिसे बीआरओ की मशीनरी ने भी कड़ी मशक्कत के बाद आवाजाही के लिए सुचारू करवाया।

घर के ऊपर गिरा बोल्डर,दलदल में फंसे जेई

पिथौरागढ़। बारिश से टनकपुर तवाघाट एनएच के तपोवन के एनएचपीसी गेट के पास खोतिला में घर के ऊफर भारी बोल्डर और मलबा आने से घर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस दौरान भवन स्वामीण घर के अंदर सोए हुए थे। जैसे ही उन्हें आभास हुआ वह तुंरत घर से बाहर की ओर दौड़े। वहीं दूसरी तरफ तवाघाट लिपुलेख सड़क के पेलसती झरने के पास एक जेई दलदल में फंस गए। एक घंटे की मशक्कत के बाद उन्हें बाहर निकाला जा सका। लगातार जारी बारिश से टनकपुर तवाघाट में चिंतामणि भट्ट का आठ कमरे का घर क्षतिग्रस्त हो गया।। बोल्डर आने की आवाज सुनाई देने पर उन्होंने भागकर अपनी जान बचाई। भवन स्वामी ने बताया की भवन के दूसरे कमरे में दुकान खोलकर अपनी आजीविका चलाते है। उन्होंने सड़क कटिंग कर रही कार्यदायी संस्था हिलवेज पर लापरवाही का आरोप लगाया। कहा कि कई बार हिलवेज कंपनी के अधिकारी को सड़क पर लटके बोल्डर और मलबा हटाने का निवेदन किया था, जिसपर कोई कार्यवाही नहीं होने से आज वे बेघर हो गए है।पीड़ित के पिता प्रेम बल्लभ और कनिष्ठ प्रमुख भूपाल बहादुर उपजिलाधिकारी दिवेश शाशनी को ज्ञापन देकर नुकसान का पूर्ति हिलवेज कंपनी से देने की मांग की है।

घटना की सूचना मिलने पर राजस्व निरीक्षक विनोद कुमार मौके में पहुंचकर नुकसान का आकलन करने पहुंचे। स्थानीय ग्रामीणों ने हिलवेज की कार्यशैली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि बलुवाकोट से तवाघाट सड़क कटिंग के कारण नयाबस्ती,गोठी, दोबाट में आए दिन सड़क बंद होने से लोगों को कई दिक्कते आ रही है। वहीं तवाघाट लिपुलेख सड़क के पेलसती झरने के पास एक जेई दलदल में फंस गए। एक घंटे की जदोजद के बाद उन्हें बाहर निकाला जा सका। रं यूथ फोरम अध्यक्ष हरीश सिंह कुटियाल ने बताया की पेलसती में पिछले एक सप्ताह पूर्व से सड़क बंद है। वहीं कल रात की बारिश के कारण छकंन, मलघाट, वर्तीघाट, और गस्कू में सड़क बंद होने से दोनो और दर्जनों वाहन और ग्रामीण फंसे हैं।

दो दिवसीय सेलाकुई इंटरनेशनल स्कूल मॉडल यूनाइटेड नेशन कांफ्रेंस का शुभारंभ

देहरादून(उद संवाददाता)। सेलाकुई इंटरनेशनल स्कूल सेलाकुई द्वारा दो दिवसीय मॉडल यूनाइटेड नेशन का उद्घाटन समारोह शनिवार को संपन्न हुआ। इस कांफ्रेंस का शुभारम्भ विद्यालय प्रधानाध्यापक राशिद शफरुद्दीन तथा बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विद्या देवी जिंदल स्कूल, हिसार, हरियाणा की प्राचार्या श्रीमती नैना ढिल्लों की अध्यक्षता में दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेने के लिए वेल्हम बॉयज स्कूल देहरादून, यूनिसन वर्ल्ड स्कूल देहरादून, वैंटेज हॉल गर्ल्स रेजिडेंशियल स्कूल देहरादून, राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कॉलेज देहरादून, वेल्हम गर्ल्स स्कूल देहरादून, पाइनग्रोव स्कूल सोलन, डेली कॉलेज इंदौर,इकोले ग्लोबल स्कूल देहरादूनसरीखे देश के 14प्रतिष्ठित संस्थानों से प्रतिभागी शिरकत कर चुके हैं, जो यूनाइटेड नेशन की तर्ज पर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर हल निकालने की कोशिश करेंगे। कुल पाँच कमेटियाँ बनाई गई हैं जो विभिन्न विषयों पर चर्चा करवाएंगी। कार्यक्रम का मुख्य मकसद युवाओं में ग्लोबल नेशनल ईशूज के बारे में सोचने, समाज में पॉजीटिव बदलाव लाने के लिए आगे आने के लिए प्रेरित करना है। इसमें क्यूएमयूएन, यूनाइटेड नेशन कॉरेस्पोंडेंस असोसिएशन, यूनाइटेड नेशन सिक्यूरिटी कार्उंसिल, युनाइटेड नेशंस ऑफिस ऑन ड्रग एंड क्राइम, डीआईएसईसीऔरऑल इंडिया पॉलिटिकल पार्टिज मीट, कमेटियों ने कई मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त करके रिपोर्ट प्रस्तुत की। अधिवेशन का प्रारंभ स्कूल ऑर्केस्ट्रा के साथ रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए विभिन्न देशों और पार्टियों के प्रतिनिधियों के बीच गरमागरम बहस, विचार-विमर्श और समस्याओं के समाधान की दिशा में बढ़ते हुए हुआ, जिसमें विभिन्न स्कूलों के छात्र और शिक्षक कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों की भावना में शामिल होने के लिए एक साथ आए।

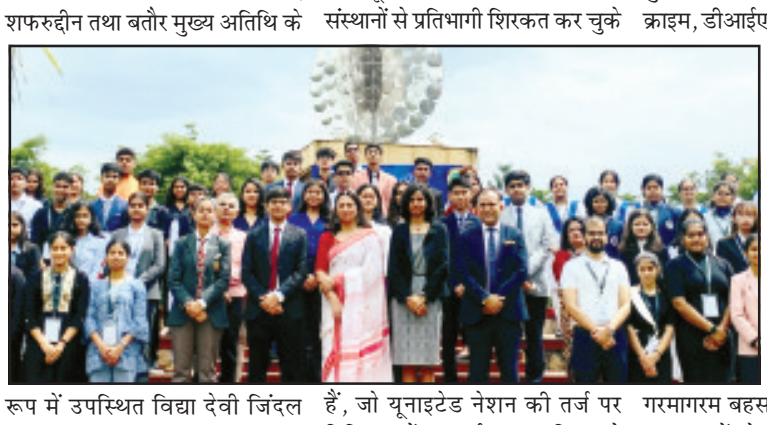

दीक्षांत इंटरनेशनल स्कूल में राज्य शतरंज प्रतियोगिता शुरू

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। दीक्षान्त इन्टरनेशनल स्कूल आरटीओ रोड में देवभूमि चौस एसोसिएशन के तत्वाधान में दो दिवसीय 17 वीं उत्तराखंड राज्य शतरंज प्रतियोगिता अंडर 11 ओपन और सीनियर ओपन कैटेगरी प्रतियोगिता का शुभारम्भ हुआ। जिसमे प्रदेश भर से आए लगभग 150 खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं। प्रतियोगिता के आयोजक समिति के अध्यक्ष समित टिक्कू ने प्रतिभागियो का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आप प्रतिभागियों में से ही आने वाले समय में शतरंज की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं में उत्तराखंड का नाम रोशन करेंगे।खेले गए मैचों में अंडर 11 बालिका वर्ग में चितराक्षी आर्या ने अद्विका साहू को हराकर 2 अंक, कृतिका खाती ने आरुषि को हराकर 2 अंक प्राप्त किए। अंडर 11 बालक वर्ग में अभिमन्यु सिंथल ने अनजन त्रिपाठी को हराकर 3 अंक अर्जित किए। दिव्यांश मटियाली ने समयक बिष्ट को हराकर 3 अंक अर्जित किए। वहीं सीनियर ओपन कैटेगरी में सार्थक रावत ने राकेश खुगसाल को हराकर 2 अंक अर्जित किए, शेराली पटनायक ने अरनव सिंह को हराकर 2 अंक अर्जित किए। प्रत्युष फुलारा ने सूर्यांश कुगसाल को हराकर दो अंक अर्जित किए। कार्यक्रम में संजीव चौधरी महासचिव उत्तराखण्ड शतरंज संघ व कोषाध्यक्ष डॉ. सीमा सिंह, विद्यालय के प्रधानाचार्य रूपक पांडे उप प्रधानाचार्या अंजू शर्मा, चीफ आर्बिटर मृतियुंजय सिंह, आर्बिटर राजेंद्र सिंह राणा, पवन सिंह, किशन तिवारी, नीरज शाह सहित अन्य उपस्थित रहे।

पहाड़ी जिलों में भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी

देहरादून। उत्तराखंड के सभी जिलों में भारी बारिश होने के आसार है। वहीं मौसम विभाग ने 29 जुलाई से एक अगस्त तक पूरे प्रदेश में तेज बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। खासकर चमोली, बागेश्वर और उत्तरकाशी के अधिकतर इलाकों में भारी बारिश होने के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया, प्रदेश भर के कई इलाकों में भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है कि संवेदनशील इलाकों में भूस्खलन होने से सड़क मार्ग और राजमार्ग अवरुद्ध हो सकते हैं। ऐसे में किसी भी समस्या से बचने के लिए पहाड़ी जिलों की यात्रा करने से पहले मौसम की जानकारी अवश्य ले लें। पांच साल बाद देहरादून में 28 जुलाई को सामान्य से बहुत कम बारिश हुई। जबकि वर्ष 2019 से लेकर 2022 तक भी इससे कम बारिश हुई है। प्रदेशभर में पूरे जुलाई में अभी तक सामान्य से 39 फीसदी अधिक बारिश हुई है। बीते सप्ताह ऊधमसिंह नगर में सबसे कम बारिश हुई। यहां 19 से 26 जुलाई तक सिर्फ 24.2 एमएम बारिश हुई, जो सामान्य से 66 फीसदी कम है। जबकि सबसे अधिक बारिश बागेश्वर में हुई है। यहां एक सप्ताह में 256.7 एमएम बारिश हुई, जो सामान्य से 324 प्रतिशत ज्यादा है।

शांति भंग में तीन लोगों का चालान

काशीपुर(उद संवाददाता)। शांति भंग के आरोप में पुलिस ने तीन लोगों का चालान कर दिया। जानकारी के मुताबिक हनुमान मंदिर वाली गली मोहल्ला बांसफोड़ान निवासी प्रमोद कुमार पुत्र लल्लू सिंह, विनय कुमार पुत्र सुनील कुमार तथा यहीं के चेतन पाल मामूली बात पर एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाते हुए गाली गलौज झगड़ा प्रसाद पर आमादा हो गए। इस दौरान मौके पर लोगों का मजमा लग गया। पुलिस को मामले की जानकारी मिलने पर उसने दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया। जब दोनों पक्ष हरकतों से बाज नहीं आए तो पुलिस ने दोनों पक्षों के तीन लोगों को हिरासत में लेकर जरूरी पूछताछ के बाद तीनों का शांति भंग के आरोप में चालान कर दिया।

श्रीमद् भागवत गीता के उपदेशआज भी प्रासंगिक

अर्जुन जैसी मनोस्थिति ही है आज के इंसान की : आचार्य प्रशांत

श्रीमद भागवत गीता के उपदेश आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने युगों युगों पहले थे आज भी हमारी मनोस्थिति वैसी ही है जैसी अर्जुन की थी, हम अपने स्वार्थ,भय, लालच, मोह के लिए ऐसे ही तर्क गढ़ लेते हैं जैसे अर्जुन ने अपने बचाव के लिए तमाम तर्क दिए थे लेकिन सत्य तो अटल अनंत होता है श्रीकृष्ण ने अपने एक ही तर्क से अर्जुन के सभी तर्कों को काट दिया तब गीता अस्तित्व में आई।

अर्जुन के अनुसार उन्हें युद्ध इसलिए नहीं करना है कि उन्हें कुल के धर्म की बड़ी चिंता है। कुल का धर्म बचाना है, कुलधर्म नष्ट हो गया तो पाप सारे कुल को दबा लेगा। तो अर्जुन कह रहे हैं कि, 'मुझे युद्ध नहीं करना है। नहीं, नहीं, मोह इत्यादि की तो कोई बात ही नहीं है। मैं तो एक वीर, निरपेक्ष, निस्पृह क्षत्रिय योद्धा हूँ। मोह इत्यादि तो मुझे छू नहीं सकता वो तो बात यहाँ कुलधर्म की है, मैं इसलिए युद्ध नहीं करना चाहता। भावुकता वगैरह की कोई बात नहीं है। ना मुझे कोई भाव है, ना मुझे कोई मोह है, मैं तो एक गंभीर वयस्क की भाँति कुल के लाभ की बात कर रहा हूँ। जैसे हम सब गंभीर वयस्क होते हैं और बड़ी बुद्धिमत्तापूर्ण, बड़ी परिपक्व बातें किया करते हैं। हमारे ये सब परिपक्व और गंभीर बातों के पीछे, हमारी बचकानी, अधपकी वृत्ति छुपी होती है। विचारों ने गंभीरता का चोला पहन रखा होता है। उनका व्यवहार ऐसा होता है, उनका व्यक्तित्व ऐसा होता है, उनका चेहरा ऐसा होता है कि लगता है कि कोई गहरी बात है, कोई पकी हुई बात है। जबकि उनके स्रोत में कोई बालक वृत्ति ही होती है', 'मुझे फलाने की शकल नहीं पसंद आ रही', 'मुझे डर लग रहा है मुझे अँधेरे में बंद कर देंगे', मुझे अकेला छोड़ देंगे' ख्र इस तरीके की, बालक जैसी या पशु जैसी वृत्तियाँ। और इन वृत्तियों से उठते हैं, बड़े-बड़े गंभीर विचार। विचार जो सम्मान की माँग करते हैं। अर्जुन कहते हैं,हे कृष्ण! कुल में अधर्म का प्रभाव होने से कुल की स्त्रियाँ दूषित हो जाती हैं। और हे वार्ष्णेय! स्त्रियों के दूषित होने से वर्णसंकर संतान पैदा होती है। ष्मुझे राज्य की स्त्रियों की बड़ी चिंता है, मैं इसलिए लड़ाई नहीं करना चाहता। बेचारी स्त्रियाँ दूषित हो जाएँगी। लड़ाई तो मैं कर लूँ, आप बोलिए अभी, एक-एक बाण पर इनमें से एक-एक का नाम लिखा हुआ है। और मेरे एक बाण से ऊपर की, किसी की हस्ती नहीं इनकी। एक बाण में भीष्म, एक में कर्ण, एक में द्रोण, सब निपटा दूँगा अभी। पर बेचारी स्त्रियों का क्या होगा? तो इसीलिए मुझे लग रहा है, कृष्ण, कि हमें ये लड़ाई नहीं करनी चाहिए। काश! कि हम इस समय देख पाते कृष्ण का चेहरा, जब अर्जुन उनको समझा रहे हैं कि वर्णसंकर पैदा हो जाएँगे। तो क्षत्रियों की जो पत्नियाँ होंगी, या क्षत्रियों में जो स्त्रियाँ होंगी, वो सब अन्य वर्णों में विवाह कर लेंगी। तो वर्णसंकर पैदा होगा, और वर्णसंकर ? सोचिए, कृष्ण क्या कर रहे होंगे। बड़ी मुश्किल से तो हँसी रोकी होगी अपनी। उस अतिगंभीर क्षण में भी, भीतर से अट्टाहस लगभग फूट ही आया होगा कि, 'वाह बेटा! मुझे ही चरा रहे हो। स्त्रियों की चिंता, कुल के हित की इतनी बात। वर्णों का तुम इतना ख्याल करने लग गए। तुम्हारे पूरे जीवन में तो हमें वर्णवाद कहीं ज्यादा दिखाई नहीं देता, अर्जुन। अचानक से तुम्हें क्षत्रियों की स्त्रियों की वर्ण रक्षा की इतनी सुध आ गयी। सब कुछ बोल रहे हो, न जाने कहाँ-कहाँ से तर्क गढ़ कर ला रहे हो। बस एक बात नहीं बोल पा रहे कि मोह ने मुझे पकड़ लिया है। शरीर में बहता रक्त कह रहा है, 'अपने ही जैसे रक्त को कैसे बहा दूँ?' और रक्त, ये ऐसा इसलिए नहीं कह रहा कि रक्त सहसा चौतन्य हो उठा है। रक्त ,ये ऐसा कह रहा है क्योंकि रक्त में दुनिया भर के पशु बैठे हुए हैं। ये वक्तव्य हर पशु का है, 'अपने ही जैसे किसी का रक्त कैसे बहा दूँ?' घोर-से-घोर हिंसक प्रजाति भी साधारणतया, अपनों का शिकार नहीं करती। इसमें चेतना की कोई बात नहीं है, इसमें प्रकृति की बात है। प्रकृति चाहती है कि आपका वंश, आपका कुल, आपकी प्रजाति बनी रहे। ये काम हर पशु करता है, ये काम अभी अर्जुन भी कर रहे हैं। अर्जुन पशुवत हुए जा रहे हैं ,लेकिन पशुता अपने-आपको छुपाने के लिए बुद्धिमत्ता का स्वांग कर रही है। पशुता हमेशा यही करती है। वास्तव में, जहाँ कहीं भी आपको बुद्धिमत्ता बहुत दिखाई दे रही हो तो सम्भावना यही है कि उसके पीछे पशुता बैठी होगी। बुद्धिमत्ता अपने लहजे में कोई बड़ी महत्वपूर्ण बात कह रही होगी । मान्यता, सामाजिक मान्यता, आध्यात्मिक बिलकुल नहीं। इस तरह की बातें वेदांत में दूर-दूर तक नहीं पायी जातीं। वेदांत तो इस तरह की बातों को काटने के लिए है। ठीक वैसे, जैसे अर्जुन ने अभी ये बात कही और कृष्ण इस बात को काट देंगे। तो इन बातों को धर्म की केंद्रीय बात बिलकुल ना समझा जाए कि वर्णसंकर के सब पितरों का बड़ा पतन हो जाता है। ये बात एक सामाजिक मान्यता हो सकती है, ये बात एक अन्धविश्वास हो सकती है, पर इस बात का समर्थन वेदांत कहीं से नहीं करता। 'कुलनाशकारियों के इन वर्णसंकर कारक दोषों से सनातन जातिधर्म और कुलधर्म नष्ट हो जाते हैं' तो अर्जुन को बड़ी चिंता है पितरों की अब, और वो भी राज्य भर के पितरों की; वो जो मर चुके हैं सौ, दो-सौ, साल पहले। अर्जुन कह रहे हैं, 'देखो, उनकी खातिर नहीं लड़ूँगा मैं, क्योंकि अगर वर्णसंकर पैदा हो गए तो वर्णसंकरों का श्राद्ध, तर्पण वगैरह तो चलता नहीं। जब श्राद्ध तर्पण नहीं होंगे तो वो पितर बेचारे पाताललोक में आग में ही जलते रह जाएँगे न, उनको तृप्ति कैसे मिलेगी?' कितने ऊँचे विचार हैं! आम-आदमी तो सिर्फ जीवित लोगों की परवाह करता है, अर्जुन तो सैकड़ों साल पहले मरों की भी परवाह कर रहे हैं। 'देखो, पितरों का क्या होगा?' पहले बोले, 'स्त्रियों का क्या होगा? वो बेचारी स्त्रियाँ, उनको क्षत्रिय नहीं मिलेंगे तो वो जा करके अन्य जातियों से, तथाकथित नीचे वाले वर्णों से, विवाह आदि करेंगी और मेल कर लेंगी।' तो स्त्रियों की चिंता हुई। फिर स्त्रियों के बाद जो स्त्रियों से औलादें पैदा होंगी उनकी बड़ी चिंता हुई जैसे कर्ण; कर्ण वर्णसंकर थे। सूत जो होते थे, वो एक प्रकार के वर्णसंकर ही थे। कर्ण को जीवन भर यही लगा रहा, 'मैं सूतपुत्र हूँ,। कृष्ण कह रहे हैं कि 'माया तो मेरी ही है पर मैं भी चमत्कृत हो जाता हूँ इसके रूप-रंग देख कर के। ष्अपने दुष्कर्मों से कुल परम्परा का विनाश करने वाले दुराचारियों के कारण समाज में अवांछित सन्तानों की वृद्धि होती है और विविध प्रकार की सामुदायिक और परिवार कल्याण की गतिविधियों का भी विनाश हो जाता है। हे जनार्दन! फिर जिन लोगों का कुलधर्म नष्ट हो गया है उन्हें अनिवार्य रूप से नर्क जाना पड़ता है। ये बात हमने सुनी है, तो इन सब लोगों को नर्क जाना पड़ेगा, इसके लिए मैंने तय करा है कि मैं लड़ाई नहीं करूँगा। अर्जुन अब आश्वस्त हैं कि निर्णय पर आ गए, सारे तर्क एक ही दिशा में संकेत कर रहे हैं ख्र मत लड़ो। क्या-क्या तर्क निकाले हैं! और आगे चालाकी देखिएगा;ष्हाय! कैसा दुर्दैव है, कैसा दुर्भाग्य है कि हम लोग महान पाप करने को उद्यत हैं, क्योंकि राज्यप्राप्ति रूप सुख पाने की आशा से स्वजनों की हत्या करने के लिए सन्नद्ध हुए हैं। ये नहीं कह रहे हैं कि, 'मैं महान पाप करने को उद्यत हूँ', साथ में कृष्ण को भी लपेट लिया। 'हाय! ये कितने दुर्भाग्य की बात है, कि 'हमलोग' महान पाप करने को उद्यत हैं' इसीलिए मैं कहा करता हूँ कि बाद में है ये कौरवों और पाँडवों के बीच का संघर्ष, पहले तो ये अर्जुन और कृष्ण के बीच का संघर्ष है। अर्जुन चाल चल रहे हैं, अर्जुन पासा फेंक रहे हैं। ये दाँव है, ये मानसिक युद्ध है, 'अरे! देखो, कितने दुर्भाग्य की बात है कि हम लोग पाप कर रहे हैं। बातों-ही-बातों में कृष्ण को इशारा दे दिया है कि, 'कृष्ण, मैं आपको भी पापी समझ रहा हूँ। आप मेरी बातों के प्रतिकूल तर्क दे मत दीजिएगा क्योंकि मैंने आपको पहले ही बता दिया है कि जो मेरी बातों के विरुद्ध जाएगा, मैं उसको पापी समझूँगा।' तो अर्जुन के अनुसार कृष्ण को थोड़ा डर जाना चाहिए कि, 'देखो पापी तो बोल ही दिया है, अभी अगर और मैं इसको ज्ञान वगैरह दूँ तो कहीं महापापी या कुछ और बड़ी बात ना बोल दे। तो इससे अच्छा है कि अपना सम्मान संभाल कर रखो और ज्यादा कुछ बोलो ही मत। और कह दो कि अर्जुन तुमने जो करा वो ठीक। मैं भी तुम्हारे साथ हूँ, सराज्य का क्या करना है।' बहुत तर्क हो सकते हैं न? देखिए, क्या करा है। धर्म को नीचे गिराया है। कह रहे हैं कि 'नहीं, हम धर्म के लिए नहीं लड़ रहे, हम तो राज्य प्राप्ति के लिए लड़ रहे हैं।' तो लड़ने के पक्ष में जो बात कही जा सकती थी, उस बात को गिरा दिया। कह दिया, 'नहीं, हम धर्म के लिए थोड़े ही लड़ रहे थे, हम तो लड़ ही रहे थे लालच के लिए।' और लड़ने के विरोध में जो बातें कही जा सकती थीं, उनको उठा दिया। समझ रहे हो? धर्म को गिरा दिया, धर्म की तुलना लालच से करके; और अधर्म को उठा दिया, अधर्म के ऊपर अच्छाई का, नैतिकता का, आवरण पहना कर के। ये काम हम सब करते हैं। कोई अच्छा काम कर रहा होगा तो उसको हम तत्काल कह देते हैं कि 'उसमें उसका कुछ स्वार्थ होगा तभी तो कर रहा है।' ठीक वैसे, जैसे धर्मयुद्ध को यहाँ पर अर्जुन ने गिरा दिया ये कह कर कि 'ये तो राज्य, और रुपये और सत्ता के लिए की जा रही लड़ाई है।' वो जो युद्ध है वो वास्तव में सत्ता के लिए नहीं है, वो धर्म के लिए है। लेकिन अर्जुन ने उस युद्ध को अलग ही तरह से परिभाषित कर दिया क्योंकि धर्म की राह चलना नहीं है। कैसे कह दें कि धर्म की राह चलना नहीं है? तो धर्म को अधर्म घोषित कर दो ताकि धर्म को ठुकराना आसान हो जाए। ठीक उसी तरह यहाँ पर अर्जुन तर्क दे रहे हैं कि ये युद्ध धर्म की खातिर नहीं है, ये युद्ध सत्ता की खातिर है। अगर ये कह दिया कि ये युद्ध सत्ता के लिए है तो युद्ध से भागना, माने धर्म से भागना आसान हो जाएगा न? ये काम हम सब करते हैं, दुनिया में जो कुछ भी हो रहा है हमारी आर्तरिक दुनिया में ख्र वो सदा धर्म और अधर्म के बीच का संघर्ष है। उसमें हमें अधर्म का पक्ष जब भी लेना होता है, हम कुछ तर्क देकर धर्म को नीचे गिराते हैं और कुछ तर्क देकर अधर्म को ऊपर उठाते हैं। उदाहरण के लिए ख्र कोई आ जाए सामने और आपको सिद्ध करना है कि आपको उस व्यक्ति के साथ नहीं जाना, भले ही वो व्यक्ति धर्मपथ पर हो, तो आप कह देंगे, 'अरे! आप भी तो पैसे के लिए ही काम करते हो।' अब आसान हो जाएगा उस व्यक्ति की बात को नकारना। समझ रहे हो? भीतरी व्यवस्था ऐसे काम करती है। हमारे उद्देश्य सब गर्हित, पतित होते हैं। उनपर हम ऊँचाई का आवरण पहना देते हैं। और सच्चाई जो वास्तव में ऊँची होती है, उस पर हम कीचड़ के छींटें मार देते हैं, उसको नीचे खींचने का प्रयास कर लेते हैं ताकि लगे कि वो कोई व्यर्थ की चीज है। ये सब कुछ करने के पीछे उद्देश्य हमारा बस एक होता है ख्र अधर्म का साथ देना। तो आप पूछेंगे कि 'अगर अधर्म का साथ ही देना है तो इतनी मेहनत क्या करनी है? सच्चाई को सीधे ही अस्वीकार कर दो'; साफ-साफ घोषित कर क्यों नहीं देते कि 'मैं अधर्म के साथ हूँ'? इतनी हममें हिम्मत नहीं, इतने खुले अधर्मी हम नहीं हो पाते, हमारी मजबूरी ये है कि हमें अधर्मी भी होना है और स्वयं को धर्मी घोषित भी करना है। तो हमें अपने अधर्म को धर्म का नाम देना आवश्यक हो जाता है क्योंकि हम डरे हुए लोग हैं; हम अधर्म के पक्ष में भी डरे हुए हैं। और सत्य को सीधे-सीधे ठुकरा देने का साहस नहीं हममें। तो हम कहते हैं कि सत्य को हम इसलिए ठुकरा रहे हैं क्योंकि वो असत्य है। वो असत्य कैसे है? हमारे पास कुछ तर्क हैं। सब का आर्तिरक खेल ऐसे ही चलता है। अर्जुन ने निष्कर्ष निकाल लिया। बोले कि 'इन सब बातों से अब ये साबित होता है कि मैं यहाँ मर भी जाऊँ तो बेहतर है, पर मैं लड़ाई तो नहीं करूँगा।' स्वयं ही तर्क रचे और अपने ही तर्कों से और ज्यादा सुनिश्चित अनुभव करने लगे कि 'बात तो मैं ठीक ही कह रहा हूँ।' ये सब कृष्ण को प्रभावित करने के लिए किया जा रहा है कि, 'देखिए श्रीकृष्ण, ये बात तो दूर की है कि मैं उन्हें मारूँगा। आप ये समझ लीजिए कि अब मैं उस बिंदु पर आ चुका हूँ जहाँ मैं अपने प्राण त्यागने को तैयार हूँ। वो मुझे मार दें तो मार दें, मैं उन्हें नहीं मारूँगा।' जैसे कृष्ण को जताया जा रहा है कि, 'मुझे अब समझाने की कोशिश भी बेकार है। देखिए कृष्ण, प्रयास भी मत करिएगा, मैं बहुत दूर निकल चुका हूँ।' ये एक तरह से कृष्ण को हतोत्साहित किया जा रहा है। 'अब कोई आप मुझपर युक्ति मत आजमाइएगा, फैसला हो चुका है, मैं आपसे बहुत दूर जा चुका हूँ। सारे तर्क मेरे पक्ष में हैं और मुझे बड़ी गहराई से सुनिश्चित हो चुका है कि सही क्या है। मैं जान चुका हूँ, अब आप व्यर्थ ही मुझे समझाने-बुझाने का प्रयास करेंगे, देख सकते हों तो देखिए कि अभी अर्जुन ने कृष्ण की ओर कैसे देखा होगा। जैसे कुश्ती में, एक पहलवान दूसरे को देखता है ये मान कर कि 'इसको तो मैंने अब परास्त ही कर दिया'। 'बेटा, तू तो अब हार चुका है!' सर्वप्रथम ये मल्लयुद्ध कृष्ण और अर्जुन के बीच है और अर्जुन ने अपने दाँव चल दिए हैं। आएगी, कृष्ण की बारी आएगी, पर पहले अर्जुन के दाँव-पेचों को समझना जरूरी है; पहले अर्जुन बन जाना जरूरी है। आप अर्जुन नहीं बनोगे तो कृष्ण आपको पटकेंगे कैसे? बन जाइए पहले अर्जुन, सहमत हो जाइए अर्जुन से आप भी पूरी तरह क्योंकि आप अर्जुन से सहमत हैं ही। अर्जुन का एक-एक तर्क आपका तर्क है। अर्जुन असत्य के प्रति जितना आग्रह यहाँ दिखा रहे हैं, वो आपकी अपनी असत्यनिष्ठा है, बेईमानी।तो अब अर्जुन ने इस प्रकार कह कर, कृष्ण से किसी प्रकार की अनुमति की प्रतीक्षा भी नहीं करी, बस अपना वक्तव्य सुना दिया है, निर्णय घोषित कर दिया है। तो संजय कहते हैं;ष्संजय कहते हैं कि अर्जुन इस प्रकार कह कर युद्धक्षेत्र में बाण सहित धनुष को छोड़ कर, शोकाकुल चित्त से रथ के पिछले भाग में बैठ गए।ष वो उठ करके, जा कर वहाँ पीछे बैठ गए। शारीरिक रूप से भी वो एक संकेत दे रहे हैं कि 'अब मुझपर प्रयास भी मत करना, कृष्ण, मेरा तो खेल खत्म हो चुका है।' ये सब प्रतीक होते हैं। शत्रु को तरीके-तरीके से जताया जाता है कि तुम बाजी हार चुके हो। यहाँ पर अर्जुन कौरवों को तो शत्रु मानने से इनकार ही कर रहे हैं, तो अर्जुन ने शत्रु बना किसको रखा है? कृष्ण को। और कृष्ण पर ही अर्जुन इस तरीके के प्रयोग कर रहे हैं कि जा करके अब पीछे बैठ गए हैं कि स्पष्ट ही हो जाए कि, 'मुझे आप समझाने- बुझाने की कोशिश करेंगे तो आपकी अपनी मानहानि होगी क्योंकि आप मुझसे कुछ बोलेंगे, मानूँगा तो मैं हूँ नहीं, तो कृपया प्रयास भी ना करें।' पर कृष्ण प्रयास करते हैं और वो प्रयास कुछ ऐसा प्रबल होता है, इतना जबरदस्त, कि बीसों शताब्दियाँ बीत चुकी हैं ख्र मरने वाले चले गए, मारने वाले चले गए, कौनसा हस्तिनापुर, कौनसा कुरुक्षेत्र, कहाँ धनुष, कहाँ गदाएँ, कहाँ कौरव, कहाँ पाँडव ख्र लेकिन भगवद्गीता सूरज की तरह आज भी चमक रही है।

-आचार्य प्रशान्त वेदांत मर्मज्ञ लेखक, पूर्व सिविल सेवा अधिकारी संस्थापक, प्रशान्त अद्वैत फाउंडेशन

पेज एक का शेष...

सर्वजन हिताय की भावना...बहुत महत्व रहा है।पीएम मोदी ने मन की बात में देवभूमि उत्तराखण्ड का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मैंने देवभूमि उत्तराखंड आने वाले पर्यटकों से अपील की थी कि वो यात्रा के दौरान ज्यादा से ज्यादा लोकल प्रोडक्ट्स खरीदें। अब इसका वहां बहुत असर हुआ है। आज भोजपत्र के उत्पादों को यहां आने वाले तीर्थयात्री काफी पसंद कर रहे हैं और इसे अच्छे दामों पर खरीद भी रहे हैं। भोजपत्र की यह प्राचीन विरासत, उत्तराखंड की महिलाओं के जीवन में खुशहाली के नए-नए रंग भर रही है। मुझे यह जानकर भी खुशी हुई है कि भोजपत्र से नए-नए प्रोडक्ट बनाने के लिए राज्य सरकार, महिलाओं को ट्रेनिंग भी दे रही है। राज्य सरकार ने भोजपत्र की दुर्लभ प्रजातियों को संरक्षित करने के लिए भी अभियान शुरू किया है।नशे पर बोलते हुए पीएम ने कहा कि नशे के खिलाफ अभियान में युवाओं की बढ़ती भागीदारी बहुत उत्साह बढ़ाने वाली है। ये प्रयास, भारत में नशे के खिलाफ अभियान को बहुत ताकत देते हैं। हमें देश की भावी पीढ़ियों को बचाना है, तो उन्हें, कतनहे से दूर रखना ही होगा। इसी सोच के साथ, 15 अगस्त 2020 को 'नशा मुक्त भारत अभियान' की शुरुआत की गई थी। इस अभियान से 11 करोड़ से ज्यादा लोगों को जोड़ा गया है। भारत ने 10 लाख किलो ड्रग्स को नष्ट करने का अनोखा रिकॉर्ड भी बनाया है। इन ड्रग्स की कीमत 12 हजार करोड़ रुपये से भी ज्यादा थी। पीएम मोदी ने कहा आज जब देश में चारों तरफ 'अमृत महोत्सव' की गूंज है, 15 अगस्त पास ही है तो देश में एक और बड़े अभियान की शुरुआत होने जा रही है। शहीद वीर-वीरांगनाओं को सम्मान देने के लिए 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान शुरू होगा। इसके तहत देश-भर में हमारे अमर बलिदानियों की स्मृति में अनेक कार्यक्रम आयोजित होंगे।मैंने पिछले साल लाल किले से अगले 25 वर्षों के अमृतकाल के लिए 'पंच प्राण' की बात की थी। 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान में हिस्सा लेकर हम इन 'पंच प्राणों' को पूरा करने की शपथ भी लेंगे।

हादसे में बुझा...के मध्य पहुंचा तो इसी दौरान उसकी बाईक ट्रक संख्या यूपी 22 टी 8442 के पीछे से जा टकराई। इस दुर्घटना में शुभम को गंभीर चोटें आ गईं। उसे उपचार के लिए तत्काल जिला चिकित्सालय ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। बताया जाता है कि मृतक शुभम परिवार में इकलौता पुत्र था। उसकी दो बहिनें हैं।

गोदाम का ताला...ताल निवासी एजाज नबी पुत्र आले नबी ने बताया कि किला बाजार में न्यू कश्मीर हाउस के नाम से उसका गोदाम है। पिछले दिनों इसी गोदाम पर अज्ञात चोरों ने धावा बोलकर ताला चटकाते हुए अंदर रखा इनवर्टर स्टेबलाइजर बैटरी एलईडी वॉलफैन लोहे का दरवाजा समेट लिया और मौके से फरार हो गए। चोरी गए माल की कीमत लाखों में आंकी जा रही है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत कर घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज के आधार पर चोरों का पता लगाना शुरू किया है।

भाई बहन को कोबरा...कोबरा नाग दिखाई दिया। परिजनों ने शरीर पर देखा तो आसीन की गर्दन पर कोबरा के काटने के निशान दिखाई दिए। तुरंत दोनों बच्चों को हिमालयन हॉस्पिटल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां दोनों का इलाज आईसीयू में चल रहा है। वहीं, वन विभाग की टीम ने कोबरा का रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ दिया है दोनों बच्चों की हालत नाजुक बनी हुई है।

खड्डे डंपर से ...इस दुर्घटना में याकूब गंभीर रूप से घायल हो गया। जबकि मनोज सकुशल बच गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिकर्मी मौके पर आ पहुंचे। घायल याकूब को उपचार के लिए तत्काल जिला चिकित्सालय ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचानामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जाता है कि मृतक विवाहित था उसके चार बच्चे हैं। जिनमें दो पुत्रियां व दो पुत्र हैं। मृतक छह भाईयों व एक बहन में तीसरे नम्बर का था।

सेब से लगा...भगत सिंह निवासी- ग्याहा, हिमाचल प्रदेश के रूप में की गयी। रेस्क्यू टीम में अपर उप निरीक्षक सुरेश तोमर,मुख्य आरक्षी बलबीर सिंह,कांस्टेबल विक्रम सिंह, कांस्टेबल प्रेम सिंह,कांस्टेबल अमीचंद, फायरमैन संदीप सिंह, चालक विकेश आदि थे।

पत्नी ने पीजी में ...गई जो दोनों पक्षों को पूछताछ के लिए चौकी ले गई। इधर प्रतक्ष्यदर्शियों का कहना है कि जिस समय पुलिस टीम पीजी में पहुंची पीजी में से कुछ लड़कियां भागते हुए देखीं गईं। जो क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

बेहड़ और गौरी....द्वारा उपेक्षा की गयी है यहाँ बहुत से विकास कार्य अधूरे है जिन पर आज तक कार्य नहीं कराया गया तथा यह के निवासियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तथा वार्ड का बहुत बुरा हाल है। उनका पूरा प्रयास है कि यहाँ की सभी समस्याओं को जल्द ही दूर किया जाए।इसको लेकर वे एक नगर निगम रुद्रपुर के अधिकारियों के साथ एक मीटिंग करेंगे तथा यहां पर विकास कार्य हेतु चर्चा की जायेगी और रूप रेखा बनायीं जायेगी। वहां उपस्थित सभी वार्डवासियों ने उनका भारी मात्रा में स्वागत किया तथा अपनी कॉलोनी की समस्याओं से अवगत कराया विधायक बेहड़ ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुना और शीघ्र निस्तारण कराये जाने का आश्वासन दिया। इसके पश्चात विधायक बेहड़ फुलसूंगा के जेष्ठा कॉलोनी पहुंचे जहां उन्होंने मंदिर में माथा टेका तथा मंदिर के सुंदरीकरण कार्य का कॉलोनी वासियों के साथ उद्घाटन किया तथा मंदिर में 2 लाख रूपये दिए जाने की घोषणा की साथ ही जेष्ठा कॉलोनी में विधायक निधि से निर्मित कराई गयी लगभग 10 लाख की लागत की दो सी सी सड़को का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पार्षद सुरेश गौरी ने बताया कि विधायक बेहड़ ने अपने एक वर्ष के कार्यकाल में वार्ड एक में कई विकास कार्य कराये हैं। उन्होंने कहा कि डेढ़ किमी जनपथ रोड भी जल्द ही बनवायी जायेगी। इसके अलावा बनखांडी फेस 3 में सीसी रोड और फेस 4 में सीसी रोड फुलसुंगा में छठ घाट और फुलसुंगी शमशान घाटन में चाहरदिवारी सुखसागर कालोनी में मंदिर निर्माण भी स्वीकृत हो चुका है। इस दौरान पार्षद सुरेश गौरी , जगदीश तनेजा, राजेश प्रताप सिंह, विधायक प्रतिनिधि गौरव बेहड़, शिशुपाल सिंह, जीवन जोशी,अनिल शर्मा रविशंकर मिश्रा,विवेक कुमार सिंह,योगेंद्र चौहान, हरीश जोशी, रामलाल रामपाल,पप्पू चौधरी, संतोष ठाकुर, रामसनेही,जय सिंह, संजय सिंह, बीडी गंगवार आदि लोग उपस्थित रहे।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक-परमपाल सुखीजा समाचार सम्पादक-जगदीश चन्द्र
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

Live Healthy... Live Nature...
Live in Kashi Garden

CONSTRUCTING HAPPINESS

RERA APPROVED PROJECT
UKREP05230000497

काशी गार्डन

आवासीय प्लॉट एवं विला

- रेरा एप्रूव्ड कॉलोनी
- 40 एवं 30 फीट की सड़कें
- 4 पार्क
- गेट बंद कॉलोनी
- सीव्रेज व्यवस्था
- ए-क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर
- 90 प्रतिशत तक ऋण सुविधा

साईट ऑफिस - शिमला पिस्तौर, डीपीएस स्कूल के पास, रुद्रपुर

86504-18000